प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर, 2025 को मध्य प्रदेश के धार में स्वास्थ्य कियोस्क और पीएम मित्र पार्क पवेलियन का अवलोकन करते हुए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 263 रायपुर गुरूवार 18 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मध्यप्रदेश के धार में प्रधानमंत्री ने की महिलाओ से वार्ता

मध्यप्रदेश की धरती से प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता जिक्र किया

नया भारत परमाणु धमकियों से नहीं डरता, घर में घुसकर मारता हैः पीएम

धार, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के धार में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता जिक्र किया और कहा कि नया भारत किसी की परमाणु धमकियों से नहीं डरता है। उन्होंने स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ के मौके पर कहा, पाकिस्तान के आतंकियों ने हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था। हमने ऑपरेशन सिंदूर से आतंकी ठिकानों को उजाड़ दिया। हमारे वीर जवानों ने पलक झपकते ही पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अभी कल ही देश और दुनिया ने देखा है कि एक पाकिस्तानी आतंकी ने रो-रोकर अपना हाल बताया है। साथियों, ये नया भारत है। ये किसी की परमाणु धमकियों से डरता नहीं है। ये नया भारत घर में घुसकर मारता है। बता दें कि एक दिन पहले जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) के कमांडर इलियास कश्मीरी का वीडियो सामने आया था, जिसमें वह ऑपरेशन सिंदूर में जेईएम प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के नुकसान को बता रहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने धार में जिस स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया है, उसके तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी सरकारी केंद्रों में 1 लाख से ज्यादा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने आदि सेवा पर्व का शुभारंभ और धार में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया। यह पार्क 2,150 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला है, जिसमें कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, सौर ऊर्जा संयंत्र, आधुनिक सड़कें जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं आदर्श औद्योगिक टाउनशिप बनाएगी।

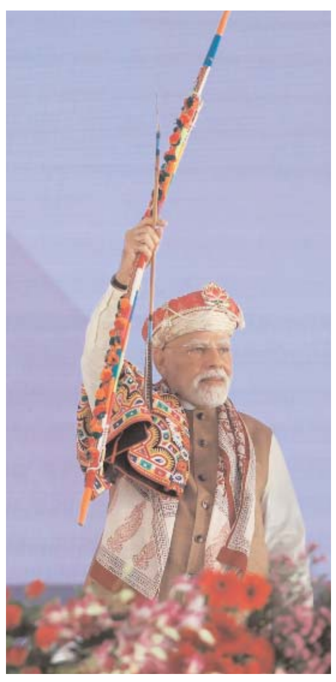

पीएम मोदी का महिलाओं को तोहफा, 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' की शुरुआत

धार एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक धरती धार से महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय अभियान 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' की शुरुआत की। इस अभियान के तहत देशभर में 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक एक लाख से अधिक मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का भी शुभारंभ किया।

धार में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह कार्यक्रम भले ही धार में शुरू हो रहा है, लेकिन यह पूरे देश की माताओं और बहनों के लिए है। हमारी नारी शक्ति ही राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है। अगर घर में मां स्वस्थ रहती है, तो पूरा परिवार ठीक रहता है।

प्रधानमंत्री ने देश की महिलाओं से इन शिविरों का लाभ उठाने की भावुक अपील की। उन्होंने कहा, ऐसी बहुत सी बीमारियां होती हैं जो चुपचाप आती हैं और गंभीर रूप ले लेती हैं। मैं देशभर की अपनी माताओं-बहनों से, जिन्होंने मुझे हमेशा अपना आशीर्वाद रूपी रक्षा कवच दिया है, आज कुछ मांगने आया हूं। मैं आपसे मांगता हूं कि आप संकोच किए बिना इन कैंपों में जाकर अपनी जांच जरूर कराएं। एक बेटे और एक भाई के नाते मैं आपसे इतना तो मांग ही सकता हूं। पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि इन शिविरों में एक भी पैसा खर्च नहीं होगा। उन्होंने कहा, जांच भी मुफ्त होगी और दवाई भी मुफ्त होगी।

75वें जन्मदिन पर शुभकामनाओं के लिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का जताया आभार

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति समेत देशभर के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उनके नेतृत्व और विकास कार्यों की सराहना की जा रही है। पीएम मोदी ने जन्मदिन की शुभकामनाएं के लिए राष्ट्पति और उपराष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आपकी शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार राष्ट्रपति जी। 140 करोड़ देशवासियों के स्नेह और सहयोग से हम सशक्त, समर्थ और स्वावलंबी भारतवर्ष के निर्माण के लिए सदैव समर्पित रहेंगे। इस दिशा में आपके विजन और विचार हमारे लिए बहुत प्रेरणादायी हैं। उपराष्ट्रपति को जवाब देते हुए उन्होंने लिखा, आपके शुभकामना संदेश के लिए धन्यवाद, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन। आपकी शुभकामनाएं राष्ट्र की सेवा के लिए मेरे संकल्प को और मजबूत करती हैं।

भारत अपनी स्क्रिप्ट खुद लिखता है... राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए ट्रंप को दे दिया कड़ा संदेश

एजेंसी। नई दिल्लीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को हैदराबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बिना नाम लिए कड़ा संदेश दे दिया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी स्क्रिप्ट खुद लिखता है, उसे कोई दूसरा देश झुका नहीं सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान में रह रहे आतंकवादियों को एक बार फिर से चेताया और कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, अगर आतंकवादी फिर से इसी तरह से हमला करते हैं तो हम ऑपरेशन सिंदूर फिर से शुरू कर देंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष

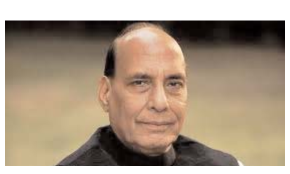

कमांडर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की तबाही को स्वीकारना पाकिस्तान के झूठ को बेनकाब करने के लिए काफी है। राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और साहस की सराहना की। हैदराबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए, राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की ताकत और भी बढ़ी है और कोई भी ताकत भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का साहस नहीं कर सकती।

देश के लिए त्याग, तपस्या और सर्वस्व समर्पण का नाम हैं नरेंद्र मोदी : अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनके नेतृत्व, त्याग और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए त्याग, तपस्या और सर्वस्व समर्पण का नाम नरेंद्र मोदी है। उन्होंने पीएम मोदी की पांच दशक से अधिक की राष्ट्रसेवा, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने लिखा, त्याग और समर्पण के प्रतीक, करोड़ों देशवासियों की प्रेरणा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सामाजिक जीवन में पांच दशक से अधिक समय से देशवासियों के कल्याण के लिए बिना रुके, बिना थके अनवरत कार्य करने वाले पीएम मोदी हर एक देशवासी के लिए 'राष्ट्र प्रथम' की जीवंत प्रेरणा हैं।

उन्होंने पीएम मोदी की जीवन यात्रा को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि संघ से संगठन और सरकार तक, मोदी जी की जीवन यात्रा बताती है कि जब निश्चय हिमालय के समान अडिग और दृष्टि समुद्र के समान विशाल हो, तो कितने व्यापक परिवर्तन संभव हैं। व्यवस्था में शुचिता, निर्णयों में दृढ़ता और नीतियों में स्पष्टता लाने वाले मोदी जी ने शासन के केंद्र में वंचितों, पिछड़ों, गरीबों, महिलाओं और आदिवासियों को लाने का अविस्मरणीय कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि करोड़ों देशवासियों के जीवन में अकल्पनीय परिवर्तन लाकर 'विकसित' और 'आत्मनिर्भर भारत' की निर्माण यात्रा से उन्हें जोड़ने वाले मोदी जी पर पूरे देश को गर्व है। अमित शाह ने कहा, बीते चार दशकों से मैं पीएम मोदी को अलग-अलग दायित्वों में देख रहा हूं। चाहे वे संघ के प्रचारक हों, भाजपा के संगठन मंत्री, गुजरात के मुख्यमंत्री या बीते 11 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने हमेशा राष्ट्र प्रथम को आगे और स्वयं को पीछे रखा है। मेरे जैसे कार्यकर्ता सौभाग्यशाली हैं, जिन्हें उनके साथ उनकी हर भूमिका में कार्य करने का अवसर मिला। चाहे कोई भी दायित्व हो, पीएम मोदी ने हमेशा रचनात्मक कार्यों और निर्णयों को बढ़ावा दिया।

कांग्रेस को हटाना होगा प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई वीडियो

पटना हाई कोर्ट का आदेश

पटन एजेंसी। बिहार की पटना हाई कोर्ट से मंगलवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन का एआई -जेनरेटेड वीडियो हटाने को कहा है। यह आदेश कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पीबी बजंत्री ने दिया है और पार्टी को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो हटाने को कहा है। कांग्रेस के खिलाफ भाजपा दिल्ली चुनाव प्रकोष्ठ के संयोजक संकेत गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। वीडियो को 10 सितंबर को बिहार कांग्रेस इकाई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जो पूरी तरह एआई से बना है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी अपनी दिवंगत मां हीराबेन के बारे में सपना देखते हुए दिखाई दे रहे हैं।

असम की अधिकारी नूपुर बोरा के ठिकानों पर छापे में मिले 92 लाख और सोना, सीएम बोले हिंदुओं की जमीन मुसलमानों को बेचकर कमाए पैसे

एजेंसी । असम की राजनीति और प्रशासन में इन दिनों चर्चाओं के केंद्र में एक ही नाम है—नूपुर बोरा. राज्य की विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (स्पेशल विजिलेंस सेल) ने 15 सितंबर को उनके चार ठिकानों पर छापेमारी की और लगभग 92 लाख रुपये नकद तथा भारी मात्रा में सोना-चांदी बरामद किया. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि बोरा लंबे समय से निगरानी में थीं और उन्होंने अपनी वैध आय से लगभग 400 गुना अधिक संपत्ति अर्जित की है. नूपुर बोरा असम सिविल सेवा की 2019 बैच की अधिकारी हैं. उनका जन्म 31

मार्च 1989 को गोलाघाट जिले में हुआ. प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज से पूरी की और उसके बाद गुवाहाटी विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर किया. मुख्यमंत्री सरमा का आरोप है कि बरपेटा—मुस्लिम बहुल जिला—में बोरा ने हिंदुओं की जमीन मुस्लिम समुदाय के लोगों को अवैध तरीके से ट्रांसफर की और बदले में मोटी रकम वसूली. मुख्यमंत्री ने कहा, ÷हम पिछले छह महीनों से उनकी गतिविधियों पर नज़र रखे हुए थे. उन्होंने सुनियोजित तरीके से जमीन के हस्तांतरण में भ्रष्टाचार किया और अब हम उन पर सख्त कार्रवाई कर रहे है।

विश्व | भारतीय कॉन्सुलेट को निशाना बनाने की चेतावनी

कनाडा में अलगाववादी आंदोलन के लिये खालिस्तान समर्थकों के नापाक मंसूबे

एजेंसी। टोरंटो । कनाडा में खालिस्तान समर्थक गतिविधियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। चरमपंथी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' ने वैंकूवर स्थित भारतीय कॉन्सुलेट को निशाना बनाने की धमकी दी है। साथ ही भारतीय नागरिकों को उस क्षेत्र में न जाने की चेतावनी जारी की गई है। SFJ ने एक पोस्टर जारी किया है जिसमें कनाडा में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर है। पोस्टर में उनके चेहरे पर क्रॉसहैर निशान लगाए गए हैं, जिसे जानकार खतरनाक संकेत मान रहे हैं। संगठन का आरोप है कि भारतीय कॉन्सुलेट खालिस्तानी समर्थकों की जासूसी में शामिल है।

एसएफजे ने भारतीयों से अपील की है कि वे गुरुवार (18 सितंबर) को वैंकूवर कॉन्सुलेट न आएं। बयान में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा 2023 में संसद में दिए गए उस बयान का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स की भूमिका की जांच का उल्लेख किया था।

पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट '2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' में दावा किया गया कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूह – बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन – को कनाडा से वित्तीय सहायता मिल रही है। ओटावा की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1980 के दशक से कनाडा में मौजूद खालिस्तानी समर्थकों द्वारा भारत में अलगाववादी आंदोलन के लिए हिंसक तरीकों का उपयोग किए जाने की कोशिश की जाती रही है। हालांकि, अभी तक भारत या कनाडा सरकार की तरफ से इस नई धमकी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

ट्रंप से लेकर पुतिन तक मोदी के जन्मदिन पर विदेशी नेताओं ने दी बधाई

डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को किया फोन, भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की प्रतिबद्धता

संवाददाता।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित कई विश्व नेताओं ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर बधाई दी. प्रधानमंत्री मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर के एक छोटे से कस्बे में हुआ था. पुतिन ने मोदी के जन्मदिन पर क्या कहा? रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए भारत और रूस के बीच साझेदारी को मजबूत करने में उनके ÷शानदार व्यक्तिगत योगदान÷ की सराहना की. क्रेमलिन (रूस का राष्ट्रपति भवन) की वेबसाइट पर

प्रकाशित बधाई संदेश में पुतिन ने कहा, ÷आपने (मोदी) शासन प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के जरिये अपने देशवासियों से उच्च सम्मान अर्जित किया और वैश्विक मंच पर खासा प्रभाव छोड़ा.÷ उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. पुतिन ने कहा, ÷आप हमारे देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी रूसी-भारतीय सहयोग विकसित करने में शानदार व्यक्तिगत योगदान दे रहे हैं.÷

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बधाई संदेश में क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 16 सितंबर को ही प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर जन्मदिन की बधाई दी थी. उनकी बधाई को शुल्क (टैरिफ) के मुद्दे पर द्विपक्षीय संबंधों में उपजे तनाव के बीच भारत के साथ संबंध सुधारने के अमेरिकी प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है. ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं. उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के प्रयासों में प्रधानमंत्री के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया.

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी पीएम मोदी को बधाई दी

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें ÷अच्छा मित्र÷ बताया. उन्होंने कहा, ÷आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ हासिल किया है. और हमने मिलकर भारत और इजराइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है.÷ नेतन्याहू ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए वीडियो संदेश में कहा, ÷मैं आपसे जल्द ही मिलने की उम्मीद करता हूं, क्योंकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं. जन्मदिन मुबारक हो मेरे दोस्त.÷

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने भी पीएम मोदी को बधाई दी

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके साथ ली गई अपनी एक तस्वीर 'एक्स' पर साझा की. उन्होंने लिखा, ÷उनकी (मोदी) शक्ति, उनका दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता प्रेरणा का स्रोत है. मित्रता और सम्मान के साथ, मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं, ताकि वह भारत को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकें और हमारे देशों के बीच संबंधों को और मजबूत कर सकें.÷

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला, 100 से अधिक ड्रोन और 150 बम, अब जेलेंस्की को हथियार देगा अमेरिका

कीव ,एजेंसी । रूसी सेना ने यूक्रेन के जपोरिजिया शहर पर बड़े हमले किए। रूस ने इस दौरान 100 से अधिक ड्रोन और लगभग 150 ग्लाइड बम दागे। यूक्रेन के राष्ट्पति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि अन्य शहर भी निशाने पर रहे। उन्होंने यूरोपीय नेताओं से अपील की है कि यूरोप की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय एयर डिफेंस सिस्टम तत्काल उपलब्ध कराया जाए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि बीते दो हफ्तों में रूस ने 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 से ज्यादा ग्लाइड बम और करीब 200 मिसाइलें यूक्रेन पर दागी हैं। उनका कहना है कि यूरोप की संयुक्त सुरक्षा केवल मजबूत वायु रक्षा प्रणाली से संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक रूस को भारी आर्थिक नुकसान नहीं होगा, वह युद्ध खत्म

करने की दिशा में कदम नहीं उठाएगा। वहीं यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिमी रूस के सारातोव क्षेत्र में स्थित एक तेल रिफाइनरी पर रात में हमला किया।

ग्लाइड बम से भारी तबाही

गौरतलब है कि रूसी ग्लाइड बम लड़ाकू विमानों से ऊंचाई से गिराए जाते हैं, जिनका बचाव करना बेहद मुश्किल है। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव के अनुसार, रूसी सेना ने मल्टीपल रॉकेट लॉन्च सिस्टम से भी 10 हमले किए, जिनमें 10 अपार्टमेंट इमारतें और 12 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए।

योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आयोजित कार्यक्रम को सभी विभाग समन्वय से क्रियान्वित करें -कलेक्टर

० समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

जगदलपुर,कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि आगामी दिनों में आयोजित होने सभी कार्यक्रम को सभी विभाग समन्वय से क्रियान्वित कर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। साथ ही कार्यक्रमों के आयोजन उपरांत उनकी ऑन लाइन रिपोर्टिंग भी कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार की शाम आयोजित समय-सीमा की बैठक में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान, सेवा पखवाड़ा और आदि कर्मयोगी कार्यक्रम आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम हेतु आवश्यक तैयारी करने और प्रधानमंत्री से संवाद करने वाली महिलाओं का चिन्हांकन का संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं, गर्भवती माताओं और अन्य लाभार्थियों को इस अभियान से जोड़कर योजनाओं का लाभ देवें। इसके अलावा आदि कर्म योगी कार्यक्रम के तहत जिले के 377 ग्रामों को चिन्हांकित किया गया है, जिसके लिए 81 कलस्टर बनाकर स्थानीय आवश्यकता के आधार पर विकास कार्यों का चयन किया जाना है। इस हेतु प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया था, इसके नोडल अधिकारी सभी गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे।

कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री-कलेक्टर जनदर्शन, जन शिकायत के लम्बित प्रकरणों के निराकरण की स्थिति और आमचो बस्तर पोर्टल पर शिकायत के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला खनिज न्यास संस्थान के मद से विकास कार्यों, खाद्यान्न भंडारण की व्यवस्था, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन और पंजीयन, शिक्षा विभाग से बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने, स्वास्थ्य विभाग के कार्यों, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, जल जीवन मिशन के कार्यो, कौशल विकास प्राधिकरण के प्रशिक्षण कार्य आदि की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर प्रभावितों के लिए जरूरत के अनुरूप शौचालय बनाने का प्रस्ताव देकर तत्काल कार्यवाही करें। डीएमएफटी मद से स्वीकृत कार्यों में वित्तीय वर्ष 2023-24 से पहले के सभी कार्यों को पूर्ण कराएं, साथ ही उपयोगिता प्रमाण पत्र भी जमा कराएं। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड निर्माण में आधार कार्ड के साथ कार्ड निर्माण बनाने के लिए पहल करें और राशन कार्ड धारकों का अनिवार्य रूप से आयुष्मान कार्ड बनाएं।

स्कूलों के बच्चों का आयुष्मान कार्ड व आधार कार्ड बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारी गिरदावरी के कार्य का एंट्री कार्य को समय पर पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, ऋ षिकेश तिवारी, आयुक्त नगर निगम प्रवीण वर्मा, सहायक कलेक्टर विपिन दुबे सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा मनाएगी सेवा ही समर्पण पखवाड़ा

रायपुर,। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक विभिन्न कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक संगठन आधारित कार्यक्रम सेवा ही समर्पण पखवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सेवा ही समर्पण पखवाड़े में भाजपा द्वारा स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम (वृक्षारोपण), रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर जैसे अन्य कार्यक्रम तय किए गए हैं। कार्यक्रमों के संदर्भ में सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय (एकात्म परिसर) में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। भाजपा रायपुर शहर जिला की बैठक में जिले एवं मंडल पदाधिकारियों सहित मोर्चा प्रमुखों को कार्यक्रम के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई एवं साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों हेतु प्रभारियों को नियुक्त कर दायित्व सौंपे गए। जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में जिला, मंडल एवं मोर्चा प्रमुखों को श्री ठाकुर ने संबोधित करते हुए सेवा ही समर्पण पखवाड़े के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक हमे स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, प्रबुद्ध जन संवाद सम्मेलन, दिव्यांग जन एवं अन्य विशिष्ट वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, वोकल फॉर लोकल का प्रचार, प्रधानमंत्री पर चयनित पुस्तकों का वितरण, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता एवं विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन करना शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय किया गया है। श्री ठाकुर ने सभी जिला भाजपा के कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं आम जनमानस को भी कार्यक्रम से जोडऩे की अपील की।

नवरात्रि और गरबा उत्सव को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

रायपुर,

रायपुर में आगामी नवरात्रि और गरबा उत्सव को देखते हुए जिला प्रशासन ने दुर्गोत्सव समितियों के साथ बैठक आयोजित की, जिसमें सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़े कई अहम निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि इस दौरान डीजे के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल निर्धारित सीमा के भीतर और धीमी आवाज़ में ही किया जा सकेगा, ताकि ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जा सके।

बैठक में यह भी तय किया गया कि पंडाल केवल प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर ही लगाए जाएंगे और हर पंडाल में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। आयोजन में किसी भी तरह की ऐसी प्रतिमा या प्रदर्शनी की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिससे किसी धर्म या समुदाय की भावना को ठेस पहुंचे। दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन पूर्व वर्षों की तरह इस बार भी महादेव घाट पर ही किया जाएगा। विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार के हथियार या आग्नेयास्त्र लाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। सभी आयोजन समितियों को स्वयंसेवकों की नियुक्ति करनी होगी ताकि ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण में मदद मिल सके। प्रशासन ने आयोजकों को यह भी निर्देश दिया है कि आयोजन की अनुमति नगर निगम से अनिवार्य रूप से लेनी होगी, और कार्यक्रम से कम से कम सात दिन पहले संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन जमा करना जरूरी होगा। इसके अलावा बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और स्थानीय थाना प्रभारी से भी अनुमति प्राप्त करनी होगी। पंडालों में आग बुझाने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। गरबा आयोजकों को गीतों के चयन में विशेष सावधानी बरतने और ऐसे गानों से परहेज करने की सलाह दी गई है जो धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकते हैं। साथ ही, आयोजन स्थल पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए।

एशिया कप 2025 में भारतीय बास्केटबॉल टीम सेमीफाइनल में पहुंची

महासमुंद

। अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी शामिल है। इसके अलावा भारतीय टीम में तमिलनाडु, कर्नाटका, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना के खिलाड़ी शामिल हैं। एशिया कप में इंडिया टीम ने शानदार खेल खेलते हुए पहले मैच में ईरान को 70 - 67 अंकों से हराया, दूसरे मैच में इंडिया ने उज्बेकिस्तान को 81- 69 अंकों से हराया, तीसरे मैच में इंडिया ने समोआ को 71 - 54 के बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एशिया कप में लगातार 3 मैच जीतकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है तथा सेमीफाइनल में पहुंच गई है। भारतीय टीम 18 सितंबर को सेमीफाइनल मैच खेलेगी। प्रदेश व जिले में खुशी की लहर है। सेमीफाइनल में प्रवेश करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के श्री राजीव जैन अध्यक्ष, चेयरमैन श्री विजय अग्रवाल, श्री नरेश डाकलिया, श्री राजीव चैबे, श्री राजेश गौर, भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक अनिथा पॉलदुरई, सहायक प्रशिक्षक श्री रोहित एवं श्री उमा कांत, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चैधरी, विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिंहा, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू, जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद के अध्यक्ष नुरेन चंद्राकर, गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, संतोष कुमार सोनी, किरण महाडीक, हुलसी चंद्राकर।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 9 एवं 10 अक्टूबर को

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 09 एवं 10 अक्टूबर 2025 को राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए नियोक्ता पंजीयन एवं अभ्यर्थियों के आवेदन की प्रक्रिया ई-रोजगार पोर्टल www.eràæjgar.cg.gàæv.in में की जा रही है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेला हेतु उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी पोर्टल के मेन्यू के अर्गत राज्य स्तरीय रोजगार मेला लिंक पर देखी जा सकती है। रिक्तयों की संख्या में क्रमशः बढोतरी संभावित है। जिले के ऐसे अभ्यर्थियों की सूची जिन्होने मेला हेतु आवेदन किया है जिला लॉगइन के डेश बोर्ड पर देखी जा सकती है। इस सूची में दो कैटेगरी निर्धारित की गई है। कंपलीट प्रोफाइल वाले अभ्यर्थी रिक्तयों का चयन कर अपनी प्रोफ़ाइल शीघ्र पूर्ण करने और इनकंप्लाइट प्रोफाइल वाले अभ्यर्थियों को अपनी जानकारी पूर्ण कर लेने को कहा गया है। शासन द्वारा राज्य स्तरीय रोजगार मेला में सम्मिलित होने वाले नियोजकों के लिए एवं अभ्यर्थियों के लिए अलग-अलग लिंक जारी की गई है जिसकी जानकारी जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।जिले के ऐसे समस्त नियोजक, जिनके प्रतिष्ठान में रिक्तियां हैं और वे राज्य स्तरीय रोजगार मेला के माध्यम से रिक्तियों की पूर्ति करना चाहते हैं वे यथाशीघ्र ई-रोजगार पोर्टल पर अपना पंजीयन उक्त लिंक पर जाकर कर सकते है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को इनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि हर आवेदक को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी समय पर प्राप्त हो। आज जनदर्शन में कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए।

मनेंद्रगढ़, जशपुर समेत छत्तीसगढ़ में 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

लगभग 14 करोड़ रूपए की लागत से तैयार होगा प्रत्येक फिजियोथेरेपी महाविद्यालय

0 6 नए फिजियोथेरेपी कॉलेज छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा को देंगे नई उड़ान - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार नए आयाम जुड़ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने चिकित्सा शिक्षा को और मजबूत करने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए 6 नए फि जियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण से इस से न केवल युवाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग जारी आदेश के अनुसार जिन जिलों में नए फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे उनमें मनेंद्रगढ़, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर शामिल हैं। इन महाविद्यालयों के निर्माण के लिए सरकार ने कुल 83 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक महाविद्यालय के लिए लगभग 13 करोड़ 93 लाख 71 हजार रुपए (करीब 14 करोड़) का बजट तय किया गया है। यह निवेश न केवल आधुनिक इमारतों और प्रयोगशालाओं के निर्माण पर खर्च होगा बल्कि छात्रों के लिए आवश्यक उपकरणों और अधोसंरचना पर भी किया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश की युवाशक्ति के लिए नई राह खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य और हमारे युवाओं का भविष्य, दोनों हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। आज जिन 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्वीकृति दी गई है, वे केवल संस्थान नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की नई इमारत की नींव हैं। इन महाविद्यालयों से प्रदेश के युवा डॉक्टर और विशेषज्ञ बनकर न केवल छत्तीसगढ़ की सेवा करेंगे बल्कि पूरे देश में राज्य की पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा नई ऊँचाइयों को छू रही है। 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य शिक्षा के अवसर मिलेंगे और फिजियोथेरेपी जैसी महत्वपूर्ण सेवा अब गांव-गांव तक पहुंच सकेगी। यह निर्णय प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ ही युवाओं के लिए नए रोजगार और अवसरों का द्वार खोलेगा।उल्लखेनीय है कि फिजियोथेरेपी वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है और इन नए महाविद्यालयों से प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे, जो आने वाले समय में समाज को बेहतर सेवाएं देंगे।विशेषज्ञों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत प्रदान करेगा। अब मरीजों को फिजियोथेरेपी उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि अपने ही जिले में सेवाएं मिल सकेंगी।प्रदेश में पहले से मौजूद मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग कॉलेजों के साथ फिजियोथेरेपी कॉलेजों की यह नई श्रृंखला स्वास्थ्य शिक्षा की व्यापकता को और बढ़ाएगी। इससे छत्तीसगढ़ न केवल डॉक्टर और नर्स तैयार करेगा बल्कि विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट भी बड़ी संख्या में उपलब्ध कराएगा। इस निर्णय से रोजगार के नए अवसर भी सामने आएंगे। इन महाविद्यालयों के निर्माण से लेकर संचालन तक स्थानीय स्तर पर अनेक लोगों को रोजगार मिलेगा और स्नातक होने वाले विद्यार्थी स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी सेवाएं देकर प्रदेश की जरूरतें पूरी करेंगे।

ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन 17 से दो अक्टूबर तक

रायपुर। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर को जन्मदिन है। इस अवसर पर प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों द्वारा 17 सितंबर से दो अक्टूबर के मध्य स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। छग स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के संचालक डॉ. अश्वनी देवांगन ने बताया कि ऐसी सभी ग्राम पंचायतों को 14 सितंबर तक चिन्हित किया गया है जहां साफ सफाई व्यापक स्तर पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिवस है। प्रधानमंत्री एवं गांधी जी का लक्ष्य देश को संपूर्ण रूप से स्वच्छ करने था इसी कड़ी में यह आयोजन बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

छग के नये मुख्य सचिव होंगे विकासशील

रायपुर, 15 सितंबर (आरएनएस)। छग के वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ज्ञातव्य है कि उनका रिटायरमेंट 30 जून को था जिसे मुख्यमंत्री ने बढ़ाते हुए तीन माह का एक्सटेंशन देते हुए 30 सितंबर तक बढ़ाया था। तमाम अनुमानों को दरकिनार करते हुए मुख्यमंत्री ने अगला मुख्यसचिव 1994 बैच के विकासशील को बनाया है वे एक अक्टूबर से मुख्य सचिव का पदभार एवं कार्यभार ग्रहण करेंगे। ज्ञात हो कि विकासशील प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में फिलिपींस की राजधानी मनीला स्थित एशियाई डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी निदेशक थे। वहां से उन्हें छग के लिए रिलीव कर दिया गया है। उनकी पत्नी निधि छिब्बर आईएएस है। उनकी जगह नीति आयोग में नई पोस्टिंग की गई है।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव क्षेत्र, रायपुर से बीजापुर सहित कई जिलों में अगले 3 दिनों तक बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र ने जारी किया ऑरेंज-येलो अलर्ट

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानसूनी गतिविधियां एक बार फि र तेज हो गई हैं। पिछले 24 घंटों में कई जिलों में झमाझम बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र और चक्रवाती परिसंचरण के असर से प्रदेश में अगले तीन दिनों तक गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

मानसून की सक्रियता - उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। इसके चलते छत्तीसगढ़ में मानसूनी गतिविधियों में तेजी आई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है।

रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटों के लिए कई जिलों में अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, बालोद, राजनांदगांव, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना।

येलो अलर्ट - धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, जांजगीर-चांपा, दुर्ग और मुंगेली जिलों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश का पूर्वानुमान।

झमाझम बारिश वाले जिले

पिछले 24 घंटों में बस्तर संभाग के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में अच्छी बारिश दर्ज की गई। राजधानी रायपुर, दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव में भी झमाझम बारिश हुई।

वेदर सिस्टम का प्रभाव

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी-पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित हैं। यह सिस्टम अगले दो दिनों में दक्षिण ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा। इसके अलावा, एक मानसूनी ट्रफ श्रीगंगानगर, रोहतक, सिवनी और राजनांदगांव से होकर गुजर रही है।

अगले तीन दिन का पूर्वानुमान

अगले तीन दिनों तक छत्तीसगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। कई जगहों पर गरज-चमक, आकाशीय बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। रायपुर में आज आसमान बादलों से घिरा रहेगा और दिन में रुक-रुक कर बारिश की संभावना है।

जिला जांजगीर चांपा के जैजेपुर में दस हेक्टेयर में है भंडार

15 अक्टूबर तक देना होगा आवेदन

देश के नामी औद्योगिक घराने नीलामी में भाग लेंगे

रायपुर, संवाददाता।

प्रदेश में बहुमूल्य खनिज डोलोमाइट की शीघ्र नीलामी छग राज्य खनिज निगम विकास द्वारा की जाएगी। यह डोलोमाइट का भंडार जांजगीर चांपा जिले के जैजेपुर तहसील में मिला है। राज्य खनिज विकास निगम द्वारा इसकी नीलामी शीघ्र आगामी माह अक्टॅबर में की जाएगी। इसके लिए टैंडर जारी कर दिया गया है।

राज्य खनिज विकास निगम के एमडी द्वारा सर्वे के पश्चात जारी टैंडर के अनुसार छग में सोना हीरा कोयला सहित अन्य बहुमूल्य खनिज विद्यमान है लेकिन तकनीकी कारणों से इनकी नीलामी नहीं हो पा रही है। लेकिन पर्याप्त मात्रा में डोलोमाइट उपलब्ध है। दल्लीराजहरा सहित कई अन्य स्थानों पर डोलोमाइट पाया जाता है जो कि भिलाई स्टील प्लांट का काम आता है। चांपा जांजगीर जिले के तहसील जैजेपुर के पंडरिया में डोलोमाइट का विशाल भंडाल मिला है इसकी नीलामी शीघ्र की जाएगी। इसके लिए तिथिबद्ध कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। राज्य खनिज विकास निगम के एमडी प्रबंध संचालक द्वारा इसके लिए ऑनलाइन टैंडर मंगाया गया है। जिसमें अलग अलग तिथियों में इसके नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चांपा जांजगीर में प्रकाश इंडस्ट्रीज तथा अन्य ऊर्जा के प्लांट संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा चांपा जांजगीर से लगे कोरबा रोड में निजी पावर प्लांट है। कोरबा में अनेक स्टील फर्नेस के प्लांट में डोलोमाइट का प्रयोग किया जाता है। इस खदान को लेने के लिए बड़े बड़े औद्योगिक घराने लामबंद हो रहे है। यह खदान दस एकड़ में भंडार है। यह डोलोमाइट एक सर्वे के दौरान मिला है। वर्तमान में कई वरिष्ठ राजनेताओं से संबंधित खदान पर नजर लगी हुई है। जिसके लिए वे बोली लगाने के लिए तैयार है। खनिज विकास निगम में निविदाकारों को बोली लगाने के लिए रेट भी तय कर दिया है इसके अनुसार अब बोली लगाना होगा। खनिज विकास निगम नया रायपुर अटल नगर के वेबसाइट में इसकी पूरी जानकारी ली जा सकती है।

बदली से धान की खरीफ फसलों का भूरा माहो का प्रकोप, आगामी दिनों में वर्षा होने का पूर्वानुमान

रायपुर। प्रदेश में पिछले कई दिनों से बदली छाई रहने एवं अनवरत वर्षा के कारण भूरा एवं सफेद माहो बढ़ता जा रहा है। इसमें भूरा माहू सबसे ज्यादा खतरनाक है, किसानों ने अधिकारियों से अपील की है कि वे तत्काल दवाई का छिड़काव करें।

किसान नेताओं एवं कृषि विभाग के अधिकारियो के अनुसार इस वर्ष पानी विलंब से गिरा, जिसके कारण जल्द पकने वाली फसलों की बालियां आने में देर हो रही है। इधर बदली छाने से सफेद एवं भूरा माहो का प्रकोप होने से सफसल चौपट होने की संभावना है। आरंग धरसींवा ब्लाक तथा अन्य स्थानों पर भूरा माहो फैलने की शिकायत मिली है।

वर्षा होने के पूर्वानुमान : मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक ऊपरी चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और उसके आसपास स्थित है तथा या 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और उसके आसपास 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर

केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने भगवान जगन्नाथ का लिया आशीर्वाद, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना की

रायपुर, संवाददाता

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस के शुभ अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने राजधानी रायपुर स्थित गायत्री नगर के भगवान जगन्नाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के दर्शन कर प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामना की। अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान मंदिर पहुंची श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि ÷भगवान जगन्नाथ की कृपा से देश में शांति, समृद्धि और विकास की राह और अधिक सशक्त होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का नेतृत्व भारत को निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है।

हम सभी उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।÷इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और विधायक श्री पुरंदर मिश्रा एवं कलेक्टर डॉ गौरव सिंह भी उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस पर हिन्दी की बदलती दुनिया पर हुई संगोष्ठी

रायपुर, ।

हिंदी दिवस पर हिंदी विशेषज्ञों ने कहा कि हिंदी अब तकनीक की भाषा बन चुकी है और दुनिया के साथ हिंदी भी बदल रही है।इस अवसर पर डॉ गोपाल कमल की पुस्तक न्यूरोलिंग्वस्टिक्स, डॉ सुधीर शर्मा की पुस्तक लार्ज लैंग्वेज माडल और त्र्यंबकराव साटकर की पुस्तक यथार्थ जीवन का विमोचन हुआ।

आज हिन्दी दिवस के अवसर पर रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह की पहल पर राजधानी शहर रायपुर के ऐतिहासिक टाउनहाल में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आयोजन का सिलसिला प्रारम्भ हो गया है. रायपुर जिला कलेक्टर ने प्रोजेक्ट संस्कृति हेतु रायपुर नगर पालिक निगम की उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है. अब रायपुर जिला प्रशासन के संस्कृति प्रोजेक्ट अंतर्गत राजधानी शहर की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देकर उन्हें समृद्ध बनाने विविध सांस्कृतिक आयोजन नियमित रूप से किये जायेंगे.

इस क्रम में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आज ऐतिहासिक टाउनहाल में पहला सांस्कृतिक आयोजन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में रायपुर जिला प्रशासन के सहयोग से हिंदी उत्सव का आयोजन हिंदी दिवस पर किया गया, जिसमें रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप सम्मिलित हुए । ऐतिहासिक टाऊनहॉल में आयोजित इस समारोह में हिंदी की बदलती दुनिया पर संगोष्ठी का आयोजन रखा गया, पुस्तक का विमोचन और हिंदी समाचार वाचकों का सम्मान किया गया।

मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल कमल ने हिन्दी की बदलती दुनिया पर अपने ओजस्वी विचारों से सभी उपस्थितजनों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने हिन्दी के बदलते स्वरुप को आर्टिफिशल इंटेलीजेंस से जोड़ते हुए अत्यंत मनोहारी व्याख्यान दिया।

गरिमामय आयोजन की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने की। इस अवसर पर मंच में कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज, छत्तीसगढ़ मित्र के संपादक डॉ सुशील त्रिवेदी, वरिष्ठ संस्कृति विशेषज्ञ राहुल कुमार सिंह की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री साय ने डुबान क्षेत्र में एम्बुलेंस और राष्ट्रीय बैंक शाखा शीघ्र खोलने का दिया आश्वासन

वंचित वर्ग के उत्थान और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

स्वच्छ भारत मिशन, जनधन योजना और आवास योजना से लोगों के जीवन में आया बदलाव

रायपुर, लोकशक्ति

गंगरेल बांध डुबान क्षेत्र की मछुआ सहकारी समितियों को पुनः मछली पालन का हक मिलने पर प्रभावित समितियों के सदस्यों ने विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर पर गंगरेल डुबान क्षेत्र के तीन जिलों–धमतरी, कांकेर और बालोद की 11 मछुआ सहकारी समितियों के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर ग्रामीणों की मांग पर डुबान क्षेत्र में जनसुविधा हेतु एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय बैंक की शाखा शीघ्र खोले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है। विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से आम जनता को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हों और लोग सीधे लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर में शौचालय निर्माण को बढ़ावा देकर बेटियों और महिलाओं को सम्मान दिलाने का कार्य किया है। आज स्वच्छ भारत मिशन एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागरिकों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है और विभिन्न योजनाओं का लाभ अब सीधे डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों तक पहुँच रहा है। इस व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका समाप्त की है और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महिला स्व-सहायता समूहों को पुनः रेडी-टू-ईट कार्य का जिम्मा सौंपा है, जिससे महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ग के उत्थान और सम्मान के लिए हमारी सरकार सतत कार्य कर रही है।

श्री गुजराती लोहार के नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण

रायपुर, रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के अंतर्गत अशोक विहार क्षेत्र में जनहित में सार्वजनिक जनउपयोग हेतु नवनिर्मित श्री गुजराती लोहार समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू, रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल, रायपुर नगर निगम एमआईसी सदस्य श्री महेन्द्र खोडियार, यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री नंदकिशोर साहू, जोन 1 जोन अध्यक्ष श्री गज्जू साहू, जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर, संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद डॉक्टर मनमोहन मनहरे, सहित नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता श्री डी. के. पैकरा और श्री गुजराती लोहार समाज के पदाधिकारियों, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, आमजनों की उपस्थिति में फीता काटकर करते हुए शानदार सौगात दी. सांसद ने श्री गुजराती लोहार समाज के पदाधिकारियों से सामुदायिक भवन का सदुपयोग कर ।

पीएम सूर्यघर योजना में डबल सब्सिडी से डबल हुई आवेदन और स्थापना की गति

अब तक 58,500 आवेदन, 6,500 स्थापना व 17,000 स्थापना प्रक्रियाधीन

हॉफबिजली बिल से मुफ्त बिजली की ओर तेजी से बढ़ रहा आकर्षण

सस्ती बिजली हेतु सरकारी योजना के बदले लोग चाहने लगे आत्मनिर्भरता

रायपुर, संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केन्द्र की तर्ज पर राज्य सरकार द्वारा भी सब्सिडी देने से आवेदनों तथा रूफ्टॉप सोलर पॉवर प्लांट की औसत मासिक संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ता हॉफबिजली बिल से शून्य बिजली बिल की ओर कदम बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयार हो रहे हैं, जिसका असर आने वाले महीनों में बड़ी उपलब्धि के रूप में दिखाई पड़ेगा। शासन की मंशानुसार उपभोक्ताओं का रुझान अब सस्ती बिजली हेतु सरकारी योजना के बदले आत्मनिर्भरता की तरफ बढने लगा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा एक किलोवाट के लिए 30,000 रूपये, दो किलोवाट के लिए 60,000 रूपये तथा तीन किलोवाट के लिए 78,000 रूपये सब्सिडी प्रदान की जा रही थी। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 18 जून, 2025 को आयोजित राज्य मंत्री परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से भी सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया। जिसके तहत एक किलोवाट के लिए 15,000 रूपये, दो किलोवाट के लिए 30,000 रूपये तथा तीन किलोवाट के लिए भी 30,000 रूपये सब्सिडी देने की घोषणा की गई। जिससे एक से लेकर तीन किलोवाट तक कुल सब्सिडी क्रमशः 45,000 रूपये, 90,000 रूपये तथा 1,08,000 रूपये हो गई है। मार्जिन मनी के लिए बैंकों से 10 वर्षों के लिए 6 प्रतिशत की ब्याज दर पर आसान ऋृण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री श्री साय की विशेष पहल पर राज्य सब्सिडी का प्रदाय जल्दी से जल्दी करने के निर्देश दिये गये। जिसके कारण 8 सितम्बर को आयोजित एक कार्यक्रम में 618 हितग्राहियों के बैंक खाते में 1.85 करोड़ रूपये की सब्सिडी उनके बैंक खातों में अंतरित कर दी गई। साथ ही यह व्यवस्था की गई है कि अब स्थापना के एक माह के भीतर स्टेट सब्सिडी दे दी जाएगी। इस तरह उपभोक्ताओं का विश्वास तथा उत्साह तेजी से बढ़ा है। राज्य सब्सिडी घोषित होने के पूर्व औसत मासिक आवेदनों की संख्या 1,607 थी तथा स्थापनाओं की सख्या 337 थी। वहीं 18 जून को स्टेट सब्सिडी घोषित होने के बाद आवेदनों की औसत मासिक सख्या 3,906 हो गई है।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत अब तक 8.39 लाख निर्माण श्रमिक लाभान्वित

(विश्वकर्मा जयंती पर विशेष लेख)

श्रमिकों के उत्थान के लिए 535.62 करोड़ रूपए की राशि

छगन लोन्हारे, अशोक कुमार चन्द्रवंशी

रायपुर, ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के उत्थान के लिए लगातार उन्हें आर्थिक मदद दी जा रही है। इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीयन एवं लाभांवित श्रम विभाग द्वारा 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक लगभग 7.3 लाख निर्माण श्रमिकों का पंजीयन किया गया है तथा वर्ष 2024 से 15 सितम्बर 2025 तक संचालित योजनाओं के माध्यम से लगभग 8.39 लाख श्रमिकों को लाभांवित हुए हैं, जिस पर लगभग 535.62 करोड़ रूपए व्यय किया गया है।

उल्लेखनीय है कि असंगठित श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में एक नई पहल शुरू की गई है। असंगठित श्रमिकों एवं उनके परिवारों के समग्र विकास के लिए अम्ब्रेला योजना 'अटल श्रम सशक्तिकरण योजना' प्रारंभ की गई है। प्रवासी श्रमिक साथियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदाय करने हेतु प्रथम चरण में 5 राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, गुजरात एवं महाराष्ट्र में जहां अधिक संख्या में श्रमिक प्रवास करते हैं, वहां 'मोर चिन्हारी भवन' बनाया जाएगा। इसके अलावा श्रमिकों को कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने 106 निजी चिकित्सालयों से अनुबंध किया गया है। इससे उन्हें हृदय रोग, किडनी रोग, मस्तिष्क रोग, जटिल सर्जरी आदि के लिए सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में उपचार सुविधा मिलेगी।

इसी तरह राज्य शासन द्वारा श्रम विभाग की 'अम्ब्रेला योजना अटल श्रम सशक्तिकरण योजना' के नाम से शुरू की गई है। इससे श्रमिकों तथा उनके परिवारों को एक ही स्थान पर सरकार के सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा, इसके लिए 'श्रमेव जयते' पोर्टल बनाया गया है। पंजीकृत श्रमिकों के द्वारा आर्थिक गतिविधि के लिए बैंक से लिए जाने वाले ऋृण पर लगने वाले ब्याज में अनुदान देने के लिए जल्द ही नई योजना शुरू की जा रही है ताकि आत्म निर्भर बनते हुए स्वयं मालिक बनने की दिशा में बढ़ सकें। इसके अलावा असंगठित श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन एवं सतत् निगरानी हेतु राज्य के प्रत्येक संभाग में संभाग स्तरीय श्रम कल्याण कार्यालय के स्थापना की जा रही है।

श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र श्रमिकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण एवं सहायता हेतु राज्य के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय तथा समस्त विकासखंडों में मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र योजना अंतर्गत 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक 94,300 निर्माण श्रमिकों को पंजीयन/नवीनीकरण/योजनाओं के आवेदन में सहयोग प्रदान किया गया है।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन हेतु स्व-घोषणा प्रमाण पत्र छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया सरल करते हुये, ठेकेदार अथवा नियोजक के अधीन कार्य करने संबंधी नियोजक से नियोजन प्रमाण पत्र के स्थान पर श्रमिकों से ही निर्माण कार्य में नियोजित होने संबंधी स्वघोषणा पत्र का प्रावधान किया गया है। उक्त सरलीकरण करने से श्रमिकों को पंजीयन कराने में सुविधा हुई है।

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के स्वयं के आवास क्रय एवं आवास निर्माण हेतु 01 लाख रूपये एकमुश्त अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा रहा है। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक 1042 निर्माण श्रमिकों को नवीन आवास क्रय/आवास निर्माण हेतु अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित उक्त योजनांतर्गत कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं छत्तीसगढ़ बोर्ड के मेरिट के प्रथम 10 में स्थान प्राप्त करने पर प्रत्येक श्रमिक बच्चों को राशि रूपये 01 लाख प्रोत्साहन राशि तथा रूपये 01 लाख दोपहिया वाहन क्रय करने हेतु प्रदाय किया गया है। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक निर्माण श्रमिक के 7478 पुत्र/पुत्रियों को 10 करोड़ 14 लाख 49 हजार 614 रूपए प्रदान किया गया है।

प्रसूति सहायता योजना 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित 'मिनीमाता महतारी जतन योजना' अंतर्गत 65 हजार 010 महिला निर्माण श्रमिकों को लाभांवित किया गया है।

शहीद वीरनारायण सिंह श्रम अन्न योजना उक्त योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण, असंगठित एवं संगठित श्रमिकों को 05 रूपए में गरम एवं पौष्टिक भोजन प्रदाय किया जा रहा है। 31 दिसम्बर 2023 की स्थिति में 29 भोजन केन्द्र संचालित थे, जो कि वर्तमान में बढ़कर 17 जिलों में 37 भोजन केन्द्र हो गये हैं। 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 विभाग द्वारा 11,35,362 यूनिट भोजन (मिल) पंजीकृत संगठित एवं असंगठित श्रमिकों को प्रदाय किया जा चुका है, जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा राशि रूपये रूपये 52,865,395 व्यय हुआ है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सामान्य मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारी को एक लाख रूपए की राशि, कार्य स्थल पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारी को 5 लाख रूपए की राशि तथा कार्य स्थल पर दुर्घटना से स्थायी दिव्यांगता होने पर श्रमिक को ढ़ाई लाख रूपए की राशि दिए जाने का प्रावधान है। जिसके तहत् 01 जनवरी, 2024 से 15 सितम्बर, 2025 तक कुल 3658 निर्माण श्रमिकों के आश्रितों को लाभांवित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 17 सितंबर 2024 को डी0बी0टी0 के माध्यम से राशि का हस्तांतरण किया था। श्रम विभाग द्वारा प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित कर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत् पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को केन्द्रीकृत डी.बी.टी. के माध्यम से लाभांवित करना प्रारंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 17 सितम्बर, 2024 से अब तक 16 योजनाओं में 6 लाख 48 हजार 633 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को 327 करोड़ 13 लाख 53 हजार 108 रूपए से लाभांवित किया गया। **यह निजी विचार है।**

संपादकीय

बाढ़ आपदा से जनजीवन अस्त-व्यस्त

देश में जो प्राकृतिक बाढ़ आपदा के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. एक ओर बाढ़ ने लोगों की छत छीन ली, जिसके लिए तिरपाल ही सहारा है. दूसरी ओर, बाढ़ प्रभावित लोगों से भोजन और पानी भी छीन लिया है. बाढ़ के कारण पंचायतें और नगर निगम बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं. लोगों ने राहत शिविरों और ऊंचे स्थानों पर शरण ली है. प्रशासन ने गांव छोड़कर राहत शिविरों में पहुंचे लोगों के लिए सामुदायिक रसोई के माध्यम से चावल, दाल और सब्जियों के दो वक्त के भोजन की व्यवस्था की है. शिविर लगाकर छोटे बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, बुज़ुर्गों और मवेशियों को दवाइयाँ वितरित की जा रही हैं. जबकि गांव में बाढ़ में फंसे लोगों को दो वक़्त का भोजन भी नसीब नहीं हो पा रहा है. क्योंकि उनका राशन खत्म हो गया है और बाढ़ के पानी के कारण वे राशन भी नहीं खरीद पा रहे हैं।

अब नई इस ग़ज़ल में बहर आई।

न तू आई ना तेरें बारे खबर आई।
महकती तेरी सांसे तरबतर आई।

महकते ख्वाबों को कौन रोक सकता
यादें तेरी यूं मेरे जेहन में जबर आई।

तुझसा ख्याल भी तेरा बेहद नाजुक
आने से तेरे देखो घर में बहार आई।

तुझ से मिले तो सदियां गुजर गई
घर में मेरे उदासी की खबर आई।

मुझसे मिलने-बिछड़ने के बीच,
इश्क की तेरे दिल में लहर आई।

ख्याल तिरा हवा में तैरता रहा यूं,
संजीव नई इस गजल में बहर आई।

- संजीव ठाकुर ।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

पूर्वोत्तर मे मोदी : शांति एवं विकास की नई सुबह की आहट

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

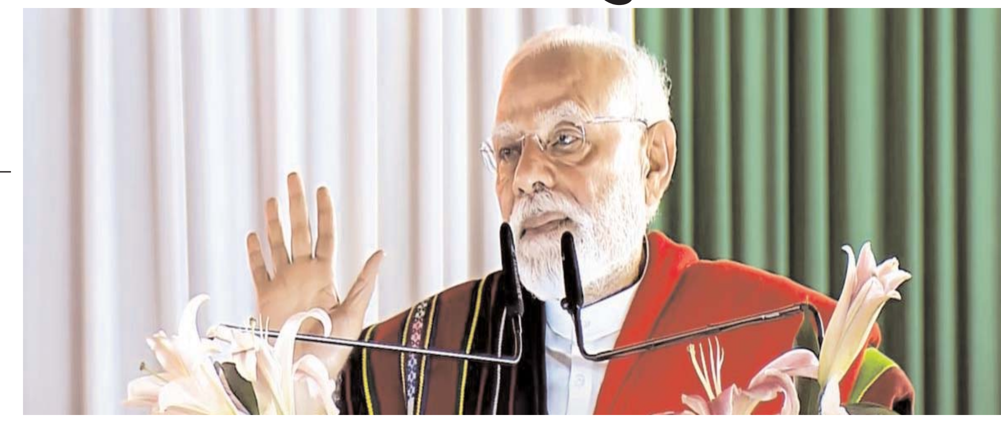

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिज़ोरम, मणिपुर और असम की यात्रा के दौरान हुई घोषणाएं केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व की दृष्टि से युगांतरकारी मानी जा सकती हैं। मोदी की घोषणाओं और उद्बोधनों से उनका संकल्प साफ झलकता है कि पूर्वोत्तर को भारत की विकास धारा में सशक्त स्थान दिलाया जाएगा। मोदी की ये यात्राएं पूर्वोत्तर की राजनीति और समाज में एक नई करवट, नई सुबह साबित हो सकती हैं। मिज़ोरम में उनका संदेश कि पूर्वोत्तर प्रगति का प्रवेशद्वार है, असम में उनका कथन कि पूर्वोत्तर भारत की आत्मा है, और मणिपुर में उनका आत्मीयता-हार्दिक स्पंदन का मरहम ये तीनों मिलकर एक नई दृष्टि, नई दिशा एवं नये संकल्प प्रस्तुत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह संकल्प व्यक्त किया कि पूर्वोत्तर को सड़क, रेल और हवाई सेवाओं से देश के हर हिस्से से जोड़ा जाएगा। 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत पड़ोसी देशों से भी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में हिंसा, अशांति और अलगाव की जगह अब शांति, विकास और विश्वास का नया युग शुरू हो रहा है। उन्होंने इन राज्यों के युवाओं को शिक्षा, स्टार्टअप और खेलकूद के लिए विशेष योजनाओं का लाभ देने का वादा किया। मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर की विविध संस्कृति और परंपराएं भारत की असली शक्ति हैं। इनकी पहचान और गौरव को सुरक्षित रखते हुए विकास होगा। इन तीनों राज्यों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह केवल चुनावी वादे नहीं, बल्कि आने वाले 'नए भारत' का रोडमैप है। उनका यह संदेश भी महत्वपूर्ण रहा कि जब पूर्वोत्तर मजबूत होगा, तभी भारत आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा और तभी नये भारत, विकसित भारत का सपना आकार लेगा।

हालांकि तीनों ही राज्यों की यात्राएं महत्वपूर्ण थीं, परंतु मणिपुर की यात्रा का महत्व विशेष रहा। पिछले डेढ़ वर्ष से हिंसा और अशांति झेल रहे मणिपुर में प्रधानमंत्री की उपस्थिति केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि एक संवेदनशील हस्तक्षेप एवं आत्मीय मरहम थी। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। ऐसा करते हुए मोदी ने दोनों समुदायों की पीड़ा सुनी, संवाद का सेतु बनाया और यह भरोसा दिलाया कि मणिपुर की त्रासदी केवल एक क्षेत्रीय संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती है। यह यात्रा विश्वास बहाली की शुरुआत साबित हुई। लंबे समय से लोगों को शिकायत रही कि उनकी बात दिल्ली तक नहीं पहुँचती। प्रधानमंत्री की उपस्थिति ने इस दूरी को कम किया और संकेत दिया कि शांति और विकास दोनों को साथ लेकर ही मणिपुर का भविष्य गढ़ा जाएगा। मणिपुर में उनका संकल्प था कि यहां की मातृशक्ति और युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग देगी। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि मणिपुर और पूर्वोत्तर में शांति की राह आसान नहीं है। विस्थापितों का पुनर्वास, न्याय की प्रक्रिया और आपसी विश्वास का पुनर्निर्माण अभी अधूरा है। यदि इन चुनौतियों को ठोस नीतियों और निरंतर संवाद से नहीं सुलझाया गया, तो यह यात्रा केवल प्रतीकात्मक बनकर रह जाएगी।

राजनीतिक दलों और सामुदायिक नेतृत्व की भूमिका भी यहाँ अहम है। यदि वे केवल वोट-बैंक की राजनीति तक सीमित रहेंगे तो शांति की प्रक्रिया बाधित होगी। इसके लिए सामूहिक दृष्टिकोण और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता आवश्यक है। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी-जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, कुकी एवं मैतेई समुदायों के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी-जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि 'दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं।' उनकी मांग रही है कि गैर-मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इन स्थितियों में मोदी ने जोर देकर कहा कि पूर्वोत्तर में अब हिंसा, अलगाव और अशांति का युग समाप्त होना चाहिए। मणिपुर में उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि शांति ही विकास का आधार है और जब तक सौहार्द स्थापित नहीं होगा, भारत की प्रगति अधूरी रहेगी। यह संदेश न केवल मणिपुर, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के लिए विश्वास बहाली का माध्यम बना। पूर्वोत्तर केवल सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मणिपुर और अन्य राज्यों की स्थिरता का सीधा संबंध पड़ोसी देशों से भारत के रिश्तों और राष्ट्रीय सुरक्षा से है। इसलिए यहाँ की शांति केवल स्थानीय आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता है।

मणिपुर पिछले डेढ़ वर्ष से एक त्रासद संघर्ष का साक्षी रहा है। हिंसा, आगजनी, पलायन और खून-खराबे ने राज्य की आत्मा को झकझोर दिया। समाज का संतुलन टूट गया, आपसी विश्वास खंडित हो गया और सामुदायिक संबंधों में ऐसी दरारें पड़ गईं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लंबे समय तक राज्य अशांत और असुरक्षित बना रहा। हिंसा के कारणों को समझना ज़रूरी है। सरकार ने समय-समय पर स्थिति को संभालने की कोशिश की, सुरक्षा बल तैनात किए, कर्फ्यू लगाए और संवाद की पहल भी की, परंतु गहरी दरारें मिटाने में ये प्रयास अपर्याप्त साबित हुए। असली चुनौती थी-मनभेदों को मिटाना। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का महत्व यहीं बढ़ जाता है। उन्होंने राज्य में पहुँचकर दोनों समुदायों की पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को उच्चतम स्तर पर समझा जा रहा है। उनका यह संदेश कि ÷शांति ही विकास का आधार है और भारत की प्रगति का सपना तब तक अधूरा है जब तक मणिपुर जैसे राज्यों में सौहार्द नहीं लौटता÷-जनमानस में गहराई से उतरा है।

मोदी की इस यात्रा ने सबसे पहले विश्वास बहाली की प्रक्रिया को गति दी। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि मणिपुर की त्रासदी केवल एक क्षेत्रीय समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती है। दूसरा बड़ा प्रभाव यह रहा कि विकास का एक ठोस रोडमैप सामने आया। मोदी ने राज्य के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की दिशा में नई परियोजनाओं की घोषणा की। इस प्रकार उन्होंने शांति और विकास को एक-दूसरे के पूरक के रूप में प्रस्तुत किया। यह दृष्टिकोण मणिपुर को केवल शांति की ओर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और प्रगति की ओर भी ले जाने की क्षमता रखता है। तीसरा और शायद सबसे महत्त्वपूर्ण परिणाम यह है कि इस यात्रा ने पूरे उत्तर-पूर्व के लिए एक सशक्त संदेश दिया। लंबे समय तक उत्तर-पूर्व को 'दूरस्थ' और 'सीमांत' मानकर उसकी समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श में हाशिये पर रखा गया। मोदी ने अपने संदेश से यह स्पष्ट कर दिया कि उत्तर-पूर्व भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग है। मणिपुर में उनका जाना और वहाँ की संवेदनशीलता को समझना केवल राज्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने पूरे उत्तर-पूर्व को यह विश्वास दिलाया कि उसकी पीड़ा और आकांक्षाएँ अब भारत की मुख्यधारा की चिंता हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में शांति की प्रक्रिया अभी अपूर्ण है। कई घाव ताजे हैं। हिंसा में घरबार खो चुके लोग अब भी अपने गाँवों और बस्तियों को लौटने की प्रतीक्षा में हैं। विस्थापितों के पुनर्वास का प्रश्न जटिल है। न्याय और जवाबदेही की प्रक्रिया अभी आरंभिक स्तर पर है। आपसी अविश्वास की परतें पूरी तरह पिघली नहीं हैं। यही वजह है कि इस यात्रा को केवल एक प्रतीकात्मक घटना मानकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा। इसे निरंतर प्रयासों और ठोस नीतिगत कदमों से आगे बढ़ाना ज़रूरी है। इस पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी डेढ़ साल बाकी है। राज्य में हिंसा की पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है ताकि विधानसभा चुनाव में देरी न हो। केंद्र सरकार को विधानसभा को लंबे समय तक निलंबित रखने के फायदे और नुकसान का भी आकलन करना होगा। **यह निजी विचार है।**

भाजपा का गुजारा नीतीश बगैर नहीं

हरिशंकर व्यास

बिहार में भाजपा कहे या न कहे विधानसभा चुनाव में एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही है। भाजपा का गुजारा उनके बगैर नहीं है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा को लग गया था नीतीश के बगैर गुजारा नहीं होगा तो राजद के साथ उनका गठबंधन खत्म करा कर उनको फिर से एनडीए का मुख्यमंत्री बनाया गया। जब लोकसभा चुनाव में भाजपा को उनकी इतनी जरुरत थी तो समझा जा सकता है कि विधानसभा चुनाव में कितनी जरुरत होगी। इसलिए एक तरफ से अघोषित रूप से ही सही लेकिन नीतीश कुमार का चेहरा होगा। उनके नाम, काम और हाल के दिनों में की गई लोक लुभावन घोषणाओं के दम पर एनडीए चुनाव लड़ेगा।

लेकिन सवाल है कि दूसरी ओर से कौन लड़ेगा क्या जिस तरह लोकसभा चुनाव में विपक्ष सामूहिक नेतृत्व में लड़ा, कोई चेहरा घोषित नहीं किया और भाजपा को कई राज्यों में नुकसान पहुंचा दिया वैसे ही बिहार का विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी हो रही है यह सवाल इसलिए है क्योंकि राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद के तमाम प्रयासों के बावजूद कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा नहीं हो रही है। तेजस्वी यादव ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान एक जनसभा में राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने की अपील कर दी फिर भी राहुल ने उनको मुख्यमंत्री बनाने की अपील नहीं की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने तेजस्वी के नाम की घोषणा पर सीधा सवाल पूछा तब भी राहुल गांधी उसे टाल गए। कहा जा रहा है कि इससे राजद के नेता इतने नाराज हुए कि उन्होंने कांग्रेस से कह दिया कि एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में कांग्रेस खुद रैली कर ले। बाद में यह रैली रद्द हो गई। कहा जा रहा है कि महागठबंधन के अंदर सीट बंटवारा नहीं हो रहा है और इस वजह से मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा भी नहीं हो रही है।

लेकिन इसके अलावा कुछ राजनीतिक कारण भी हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा इसलिए नहीं कर रहा है क्योंकि कांग्रेस के रणनीतिकार और चुनाव सर्वे करने वाली टीम का मानना है कि अगर चुनाव नीतीश कुमार बनाम तेजस्वी यादव का हुआ तो अपने आप एनडीए को एडवांटेज हो जाएगा। उनका कहना है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से विपक्षी गठबंधन को नुकसान होगा। दूसरी बात यह कही जा रही है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से विपक्ष को भ्रष्टाचार का मुद्दा बनाने में आसानी हो जाएगी। ध्यान रहे जमीन के बदले रेलवे में नौकरी के कथित घोटाले में तेजस्वी यादव को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान हुए इस कथित घोटाले के समय तेजस्वी नाबालिग थे। फिर भी वे आरोपी हैं। इस मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोप तय हो गया है और सुनवाई शुरू हो गई है। अगर तेजस्वी सीएम का चेहरा बनाए जाते हैं तो फिर उस कथित घोटाले का मुद्दा जोर शोर से उठाया जाएगा और दावा किया जा रहा है कि सजा पाने की कगार पर खड़े एक नेता को विपक्ष ने मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनाया है।

तीसरी बात यह है कही जा रही है कि नीतीश के मुकाबले तेजस्वी का चेहरा आने पर परिवारवाद का मुद्दा बनेगा। एनडीए की ओर से राहुल गांधी और तेजस्वी का चेहरा दिखा कर हमला किया जाएगा। लेकिन इससे ज्यादा चिंता इस बात की है कि तेजस्वी के नाम की घोषणा से गैर यादव पिछड़ी जातियों को एनडीए के पीछे एक जुट करने में आसानी हो जाएगी। फिर 2005 से पहले के कथित जंगल राज की याद दिला कर सवर्णो को भी साथ लेना बहुत आसान हो जाएगा। एक समस्या यह भी बताई जा रही है महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी अपने को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किए बैठे हैं। अगर तेजस्वी के नाम की घोषणा होती है तो मुकेश सहनी का नाम भी घोषित करना होगा और तब यह सवाल उठेगा कि मुकेश सहनी से कई गुना ज्यादा बड़ी पार्टी कांग्रेस का उप मुख्यमंत्री क्यों नहीं घोषित हो रहा है दलित प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम का नाम घोषित करने की मांग उठेगी। इस तरह से पूरा मामला बहुत जटिल हो जाएगा और जातियों का संतुलन भी नहीं सधेगा। अगर यादव, मल्लाह और दलित का नाम घोषित हुआ तो एनडीए से कुशवाहा और सवर्ण वोट तोड़ने का अब तक हो रहा प्रयास विफल हो जाएगा।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रों के सामरिक विवादों से भविष्य में आर्थिक परेशानियां।

शांति प्रयासों की असफलता

आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है ।युद्धों की परिणति से विश्व में आर्थिक विषमताएं तथा असमानताएं बढ़ती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का विकास नहीं हुआ और यह भविष्य की आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है ।ताजा ताजा यूक्रेन ने 60 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इसराइल हमास युद्ध में ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं।

परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैंद्य परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगेद्य इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें हैंद्य इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। और यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं अच्छे लगते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है। उत्तर कोरिया इसे अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के हमले के पूर्वाभ्यास की तरह आंकलन कर रहा है । उधर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया अपने त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु एवं मिसाइलों का मुकाबला करने हेतु संयुक्त रुप से बैलेस्टिक मिसाइल निर्माण तथा प्रयोग के सहयोग के लिए सहमति दे चुके हैं।

इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है।

अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। अमेरिका में चूंकि वर्ष 24 में राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं ऐसे में वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन को अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने के लिए और चुनाव जीतने के लिए एक बहुत बड़े मुद्दे की तलाश जरूर होगी और इसके चलते वह अपनी राजनीतिक साख को बचाने के लिए किसी भी देश से अपनी बादशाहत बचाने के लिए युद्ध कर सकते हैं और जाहिर है कि उनके किसी भी युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस ,आस्ट्रेलिया, इजरायल आंख मूंदकर साथ देने को तैयार होंगे। इधर भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही चीन से परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है दूसरी तरफ भारत रूस का अभिन्न मित्र भी है भारत परंपरागत रूप से रूस का समर्थन करते आया है या अलग बात है कि अमेरिका से उसके संबंध पिछले 10 सालों से काफी मधुर हो गए हैं और वह सदैव शांति का पक्षधर रहा है।

ऐसे मैं नवीन परिस्थितियों में रूस यूक्रेन युद्ध चीन ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की दक्षिण कोरिया के ऊपर अनावश्यक दादागिरी और अमेरिकी तथा नैटो देशों का खुलकर चीन रूस तथा उत्तर कोरिया के लिए विरोध पूरे विश्व में परमाणु हेतु की पूरी-पूरी पृष्ठभूमि तथा प्रस्तावना तैयार कर चुके हैं और यह भी संभावना होगी कि पाकिस्तान तथा खाड़ी के देश भी ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित विश्वयुद्ध में शामिल हो सकते हैं और यदि विश्व युद्ध होता है तो यह मानवता तथा पृथ्वी के लिए बड़ा ही विनाशक होगा हम सिर्फ कामना कर सकते हैं की युद्ध नहीं हर तरफ शांति ही शांति हो। **यह निजी विचार है।**

महाराजा अग्रसेन जी एक आदर्श पुरुष थे : रामकुमार जैन

लोकशक्ति

केसिंगा आगामी 22 तारीख को होने जा रहा श्री श्री 1008 श्री अग्रसेन जी महाराज जी का जन्म जयंन्ती समारोह बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा । इस समारोह को देखते हुए पूरे केसिंगा शहर में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है । आज स्थानीय अग्रसेन भवन में स्थानीय अग्रवाल सभा की ओर से एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया था ।

इस आयोजन में महाराजा अग्रसेन जी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।पिछले 5149 वर्षों से महाराजा अग्रसेन जी का जन्म जयंन्ती पूरे भारत में बड़े ही धूमधाम से पालन किया जाता है । महाराजा अग्रसेन जी के बारे में भाई रामकुमार जैन ने कहा कि उन्होंने एक ईंट और ?1 से पूरे अग्रवाल समाज को मार्गदर्शन दिया। एवं 18 गोत्र समाज को एक करके सभी को बांधकर रखने का उनका जो संदेश था वह पूरे समाज को एकत्रित करके पूरे विश्व भर में एक संदेश दिया गया है ।पिछले 11 दिन तक खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षण करने के लिए कोई कसर छोड़ा नहीं जा रहा है।

पिछले 50 सालों से स्थानीय समाज के द्वारा अग्रसेन जयंन्ती बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज सेवा के क्षेत्र में हरदम आगे रहता है। जैसे की शिक्षा के क्षेत्र हो, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रसेन जी महाराज के कई स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क सेवा दी जाती है। उनका मूल उद्देश्य रहता है कि गरीबों का सेवा करना, एवं सभी वर्ग को एक साथ लेकर चलना हर गांव एवं मोहल्ले में देखा जाए तो अग्रसेन के पूर्व जो ने पूरे भारतवर्ष में हर जाति एवं संप्रदाय के लोगों के लिए सेवा का एक महत्व आकांक्षा प्रदान की है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कुछ सामाजिक संगठनों को भी साथ में लिया गया है जैसे कि मारवाड़ी महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रेशन ट्रस्ट, अंम्बाजी मंदिर समिति, एवं कई संगठनों को साथ में रखा गया है। आगामी 22 तारीख को होने जा रहा है अग्रसेन जयंन्ती को भव्य बनाने के लिए कोई कसर छोड़ा नहीं जा रहा है। स्थानीय अग्रवाल सभा के द्वारा पहली बार पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में समाज की कुछ गणमाय व्यक्ति को भी सम्मानित किया जाएगा। इस पत्रकार सम्मेलन में स्थानीय अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, स्थानीय सभा के महासचिव रोहित कुमार अग्रवाल ,उपाध्यक्ष धर्मपाल जैन, सुनील जैन, प्रदीप अग्रवाल, एवं पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, बीनू अग्रवाल, एवं कई गणमय व्यक्ति उपस्थित थे।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं : बिस्वाल जी

केसिंगा। स्थानीय तेरापंथ भवन में अखिल भारतीय युवक परिषद के तत्व बधान में एक रक्तदान शिविर का आयोजन विशाल रूप से किया गया। आज भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के 75 में वर्ष के उपलक्ष में पूरे भारतवर्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आज स्थानीय तेरापंथ भवन में करीबन 120 यूनिट का रक्त संग्रह किया गया। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए स्थानीय युवक परिषद के सदस्यों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सात मे तेरापंथ महिला मंडल के सदस्य ने भी भारी योगदान दिया। स्थानीय युवक परिषद के अध्यक्ष अरुण जैन और उनके टीम का भूरी भूरी प्रशंसा की जाती है। इस रक्तदान समारोह का उद्घाटन स्थानीय पुलिस अधिकारी श्री बिस्वाल जी के हाथों से किया गया। उनके साथ स्थानीय तेरापंथ सभा के अध्यक्ष रामकुमार जैन एवं स्थानीय पत्रकार महासंघ की अध्यक्ष सुशान्त महापात्र भी उपस्थित थे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्थानीय सभी वर्ग के लोगों का भारी योगदान रहा। कहते हैं कि रक्तदान महादान कहा जाता है। इस रक्तदान से कई मरीजों का जीवन का पूर्ण उद्धार किया जाता है। इस रक्तदान शिविर का भव्य रूप देने में तेरापंथ युवक परिषद के सदस्यों में काफी उत्साह देखा गया। उनमें से अभिषेक जैन,राजकुमार जैन, मुदित जैन, आनंन्द सागर जैन, के अलावा भारी संख्या में तेरापंथ के भाई-बहन उपस्थित थे।

उत्तराखंड के देहरादून में भारी बारिश के कारण बादल फटने से क्षतिग्रस्त सड़क पर फंसी एक स्कूल बस।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून जिले के मालदेवता क्षेत्र के केसरवाला में बादल फटने के बाद आपदा प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान बैकहो लोडर से उतरते हुए।

डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र जी के कारण राजनांदगॉव को साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान मिली: मधुसूदन यादव

त्रिवेणी परिसर में डॉ0 बलदेव प्रसाद मिश्र जी को दी गई पुष्पांजलि

कान्यकुब्ज सभा राजनांदगांव एवं नांदगांव साहित्य एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्रा की 127वीं जयंती त्रिवेणी परिसर में पुष्पांजलि कार्यक्रम के रूप में आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महापौर राजनांदगॉव ने साहित्य मनीषी डॉक्टर मिश्र जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके साहित्यिक योगदान को स्मरण किया गया। आयोजन में महापौर मधुसूदन यादव, दिग्विजय कॉलेज के प्रोफेसर एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 शंकरमुनि राय, कान्यकुब्ज सभा के अध्यक्ष एवं डॉ0मिश्र जी के पौत्र प्रदीप मिश्रा (सेवानिवृत्ति डीएसपी) सहित गणमान्य नागरिकगण के रूप में साहित्यकार प0पु0बक्शी जी के नाती अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव, वार्ड पार्षद राजा माखीजा, वरिष्ठ पार्षद संतोष पिल्ले, अखिलेश तिवारी अध्यक्ष नांदगांव साहित्य एवं संस्कृति परिषद, डी0सी0जैन अध्यक्ष शिवनाथ तट क्षेत्रीय विकास समिति राजनांदगॉव, कान्यकुब्ज सभा राजनांदगॉव के संरक्षक प्रोफेसर आरपी दीक्षित, सचिव अजय शुक्ला, कोषाध्यक्ष कृष्णकांत तिवारी, वीडी तिवारी, शैलेन्द्र शुक्ला, सुशील तिवारी, विवेक शुक्ला, जगदीश प्रसाद मिश्रा ,संजीव (संजू) मिश्रा, राकेश मिश्रा, भूपेंद्र बाजपेई, मनीष मिश्रा, शिवम शुक्ला, धीरज द्विवेदी, अखिलेश मिश्रा, दुर्गेश त्रिवेदी, प्रकाश वाधवानी एवं अन्य वार्डवासीगण।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग–प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड भारत के पहले 240 वोल्ट इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल प्लेटफॉर्म के विकास को समर्थन दे रहा

टीडीबी सचिव ने कहा – 240 वोल्ट इलेक्ट्रिक मोटर साइकिल परियोजना स्वदेशी विद्युत वाहन प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमता मजबूत करती है

पीआईबी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड - टीडीबी 240-वोल्ट इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल प्लेटफ़ॉर्म के विकास और व्यावसायीकरण को सहयोग दे रहा है । यह भारतीय दोपहिया वाहन क्षेत्र में अपनी तरह की पहली विशिष्ट तकनीक है। रैप्टी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा यह समर्थित परियोजना संचालित की जा रही है। यह नवीन तकनीक इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में पहले से ही प्रयोग में आ रही हाई-वोल्टेज तकनीक को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में इस्तेमाल करता है। 240 वोल्ट डीसी आर्किटेक्चर पर संचालित होने के कारण, मोटरसाइकिल को तेज़ चार्जिंग, बेहतर दक्षता और भारत के बढ़ते सार्वजनिक चार्जिंग ढांचे के साथ सहज सुसंगतता के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हाई-वोल्टेज प्रणाली के पूरक के तौर पर परियोजना के अंतर्गत एक बैटरी पैक भी विकसित किया गया है जो विशिष्ट ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा प्रमाणित है। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग मान्यता प्राप्त कंपनी की आंतरिक अनुसंधान और विकास इकाई ने छह वर्षों से अधिक समय तक समर्पित कार्य कर इलेक्ट्रॉनिकी और यांत्रिक प्रणालियों से लेकर एम्बेडेड सॉफ़्टवेयर तक, सभी प्रमुख घटकों को डिज़ाइन, विकास, परीक्षण और मान्य क्षमताएं विकसित की हैं, जिससे गुणवत्ता और स्वदेशी मूल्यवर्धन सुनिश्चित हुआ है।

यह परियोजना रिमोट डायग्नोस्टिक्स और डिवाइस को नवीनतम सॉफ्टवेयर से युक्त करने के साथ ही स्मार्ट कनेक्टिविटी सुविधाओं से भी जोड़ती है और शून्य अपशिष्ट तथा बिना बाह्य उत्सर्जन के संवहनीय विनिर्माण पर ज़ोर देती है। सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप, यह पहल आत्मनिर्भर भारत का समर्थन करती है और सतत विकास लक्ष्यों (सतत विकास लक्ष्य 11ः सतत शहर और समुदाय; सतत विकास लक्ष्य 13ः जलवायु कार्रवाई) में प्रत्यक्ष योगदान देती है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड सचिव श्री राजेश कुमार पाठक ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में हाई-वोल्टेज तकनीक भारत के विशाल वाहन बाजार के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से अपनाने की संभावनाएं बढ़ाती है। टीडीबी इस परियोजना का समर्थन कर घरेलू नवीन तकनीक को गति देने, स्थानीय अनुसंधान एवं विकास क्षमता सुदृढ़ करने और संधारणीय गतिशीलता समाधान देश में ही विकसित और निर्मित करना सुनिश्चित करता है।

एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आरएफपी प्रावधानों को मजबूत किया

पीआईबी

परियोजना निष्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने, देरी को कम करने और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समग्र जीवनचक्र लागत को कम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने आरएफपी के प्रावधानों के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है। इसका उद्देश्य ठेकेदार योग्यता मानदंडों को मजबूत करना, परियोजना निष्पादन में अनुपालन लागू करना और वित्तीय प्रस्तुतियों में पारदर्शिता बढ़ाना है।

आरएफ पी के विभिन्न खंडों में कठोर शर्तें यह सुनिश्चित करने में मदद करेंगी कि केवल तकनीकी रूप से सक्षम और अनुभवी ठेकेदार ही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पात्र हों। इस प्रावधान का एक महत्वपूर्ण तत्व बोली योग्यता में ÷समान कार्य÷ मानदंड का स्पष्टीकरण है जिसे ठेकेदारों द्वारा अक्सर बड़े पैमाने की राजमार्ग परियोजनाओं के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है जबकि उनके पास केवल छोटे कार्यों का अनुभव होता है जो पूर्ण राजमार्ग विकास की जटिलता और पैमाने को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। एनएचएआई ने अब स्पष्ट किया है कि ÷समान कार्य÷ केवल पूर्ण हो चुकी राजमार्ग परियोजनाओं को संदर्भित करेगा जिसमें उस परियोजना के लिए आवश्यक सभी प्रमुख घटक शामिल हों जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है।

योग्यता मानदंडों में सुधार करने के अलावा, आरएफ पी के स्पष्टीकरण में एचएएम और बीओटी (टोल) परियोजनाओं में ईपीसी ठेकेदारों और ईपीसी परियोजनाओं में उप-ठेकेदारों की अनधिकृत नियुक्ति से जुड़े मुद्दे को भी समाधान करने का प्रयास किया गया है। ऐसे उदाहरण देखे गए हैं जहां रियायतग्राहियों या चयनित बोलीदाताओं ने प्राधिकरण की आवश्यक पूर्व स्वीकृति के बिना ठेकेदारों को नियुक्त किया है या उप-ठेका सीमा को पार कर लिया है।

इस तरह की प्रथाएं न केवल संविदात्मक मानदंडों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि गुणवत्ता आश्वासन, परियोजना समय-सीमा और नियामक निगरानी के लिए भी जोखिम पैदा करती हैं। किसी भी अनधिकृत उप-अनुबंध और अनुमत सीमा से परे उप-अनुबंध को ÷अवांछनीय व्यवहार÷ के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा जिससे धोखाधड़ी वाले व्यवहारों के समान दंड लगाया जा सकेगा। यह कदम अनुबंध निष्पादन में अनुशासन को सुदृढ़ करने और कार्यान्वयन प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा करने में मदद करेगा।

सुधार का एक अन्य प्रमुख अंग, तीसरे पक्षों से प्राप्त ÷बोली और निष्पादन प्रतिभूतियों÷ को प्रस्तुत करने पर प्रतिबंध लगाना है। यह बताया गया है कि कुछ चुनिंदा बोलीदाताओं ने तीसरे पक्षों द्वारा जारी वित्तीय प्रतिभूतियां प्रस्तुत की हैं, जो जवाबदेही के सिद्धांत को कमजोर करती हैं और प्रवर्तनीयता तथा बोलीदाता के दायित्व को लेकर चिंताएं पैदा करती हैं। ऐसे तीसरे पक्ष द्वारा प्राप्त उपकरणों को अस्वीकार करने का स्पष्टीकरण दिया गया है और यह सुनिश्चित की गई है कि केवल बोलीदाता या उसकी अनुमोदित संस्थाओं द्वारा समर्थित प्रतिभूतियां ही स्वीकार की जाएं। इस कदम से वित्तीय पारदर्शिता बढ़ने और संविदात्मक दायित्वों की प्रवर्तनीयता में सुधार होने की उम्मीद है।

आरएफपी के लिए ऊपर उद्धृत स्पष्टीकरण यह सुनिश्चित करने में मदद करेंगे कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं प्रमाणित तकनीकी और वित्तीय क्षमता वाले ठेकेदारों को सौंपी जाएं, अधिकृत और जवाबदेह संस्थाओं द्वारा निष्पादित की जाएं और बेहतर नियामक व्यवस्था के साथ निगरानी की जाएं। इन उपायों से बेहतर बुनियादी ढांचा गुणवत्ता, परियोजनाओं का समय पर पूरा होना और सार्वजनिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा जिससे अधिक कुशल राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में योगदान मिलेगा।

सेल ने बैराबी–सैरांग परियोजना के लिये स्टील आपूर्ति करके पूर्वोत्तर भारत में रेल संपर्क को किया सशक्त

पीआईबी

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने मिज़ोरम में 51 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना के लिए लगभग 15,000 मीट्रिक टन (Metric Ton) उच्च-गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की आपूर्ति की है। इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजना का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 13 सितंबर, 2025 को किया था।

इस परियोजना के लिए, सेल ने अपने भिलाई इस्पात संयंत्र से लगभग 10,000 मीट्रिक टन उच्च-श्रेणी के आर-260 प्राइम रेल की आपूर्ति की है। इसके अतिरिक्त, सेल ने अपने बोकारो, राउरकेला, भिलाई, दुर्गापुर और बर्नपुर इस्पात संयंत्रों से प्लेट, टीएमटी और स्ट्रक्चरल स्टील सहित लगभग 5,000 मीट्रिक टन अन्य आवश्यक इस्पात उत्पादों की आपूर्ति की है। बैराबी-सैरांग परियोजना, देश में अंतर-क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह व्यापक आपूर्ति राष्ट्र-निर्माण में सेल की विश्वसनीय भागीदारी को रेखांकित करती है, जो महत्वपूर्ण अवसंरचना के लिए आवश्यक मजबूती और गुणवत्ता प्रदान करती है। सेल बुनियादी ढाँचे, रेलवे, बिजली, जलविद्युत परियोजनाओं और सीमा संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए इस्पात की आपूर्ति करके पूर्वोत्तर भारत के विकास में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना में कंपनी का योगदान, भारत की ऐतिहासिक बुनियादी ढाँचागत परियोजनाओं - जिनमें चिनाब रेलवे पुल, जिरीबाम-तुपुल-इम्फाल ब्रॉड गेज परियोजना, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, और ढोला सादिया एवं बोगीबील पुल आदि शामिल हैं - को सशक्त बनाने में सेल की स्थायी विरासत को और सुदृढ़ करता है।

शराब विक्रेता आरोपी ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर घटना को दिया अंजाम

शराब सेवन से हुए युवको की मौत का मामला सुलझा

एसपी ने प्रेस कांफ्रेंस में किया खुलासा

जांजगीर चांपा /

करही गांव में दो युवकों की शराब सेवन से मौत का मामला सुलझ गया है जिसमें शराब विक्रेता ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर सुहागा मिले शराब पिलाकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था । उक्त मामले में आरोपी शराब विक्रेता भोला उर्फसुरेंद टंडन एवं अनील टंडन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जिसका खुलासा आज प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया ।

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि घटना दिनांक 15सितंबर 25 को मृतक सूरज यादव एवं मनोज कश्यप निवासी ग्राम करही थाना बिर्रा दोनो एक साथ शराब लेने के लिए गांव के शराब विक्रेता सुरेन्द्र उर्फ भोला टंडन निवासी ग्राम करही के पास प्रातः करीबन 7 बजे जाकर शराब खरीदकर एक दुकान से चखना खरीदा एवं वही बैठकर दोनो शराब सेवन कियें । शराब सेवन करने के तुरंत बाद दोनो का तबियत अचानक खराब होने से उनहे तत्काल इलाज हेतु राधा कृष्ण अस्पताल सारंगढ़ ले गए जहां दोनो की इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने से थाना सारंगढ में मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही किया गया। इसकी सूचना मिलते ही जांजगीर पुलिस सक्रिय होकर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना बिर्रा पुलिस द्वारा असल मर्ग कायम किया गया।

शराब सेवन से दोनो युवको के मृत्यु होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में मर्ग जांच दौरान घटना स्थल निरीक्षण एवं मृतक के परिजनों व गवाहों का बारिकी से कथन तथा पीएम रिपोर्ट का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्टया अपराध का घटित होना पायें जाने से थाना बिर्रा में अपराध क्रमांक 117/2025 धारा 103 (1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

दोनो युवको के हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देशन त्वरित जांच, प्रकरण निकाल एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित किया गया। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में गठित टीम के नेतृत्वकर्ता एसडीओपी चाम्पा यदुमणि सिदार के नेतृत्व में गठित टीमो ने प्रकरण से संबंधित सभी पहलुओं एवं साक्ष्य के आधार पर प्राप्त सुचना पर संदेही आरोपी भोला टण्डन उर्फ सुरेन्द्र टंडन निवासी ग्राम करही को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर घटना कारित करने से इंकार करने पर सभी तकनिकी साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया ।

पूछताछ में आरोपी शराब विक्रेता ने बताया कि मृतक सुरज यादव एवं मनोज कश्यप आयें दिन मेरे दुकान घर में आकर शराब पीकर वाद विवाद करते तथा पुलिस से पकडवा देगें कहकर धमकी देता था । दोनो मृतको से रोज रोज शराब पीकर वाद विवाद करने से काफी परेशान होकर मैने अपने चचेरा भाई अनिल टंडन को पुरा बात बताया और हम दोनो मिलकर दोनो युवकों को जान से मारने की योजना बनायें । दोनो युवकों को अंग्रेजी शराब में सुहागा मिलाकर देगे जिससे दोनो मर जाएंगे और किसी को पता भी नही चलेगा , फिर मैने अपने चचेरे भाई अनिल को अंग्रेजी शराब एवं सुहागा का व्यवस्था करने बोला तब दिनांक 14 सितंबर 2025 को शाम करीबन 6 बजे के आस-पास अनिल टंडन के द्वारा आरोपी भोला टंडन को एक अंगेजी जिप्सी शराब का पाव एवं सुहागा दिया जिस पर आरोपी भोला राम टंडन द्वारा उक्त शराब में सुहागा को रात्रि में मिलाकर रख लिया था । दिनांक 15 सितंबर 2025 के प्रातः जब मृतक मनोज कश्यप एवं सुरज यादव इसके पास शराब लेने आयें तो तब आरोपी भोला टंडन के द्वारा मुताबिक योजना के उक्त सुहागा मिले शराब को उनके हत्या करने की नियत से उन्हे दिया था जिसे पिने से दोनो युवको की तत्काल तबियत खराब हो गया जिसका इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

इस प्रकार उक्त कार्यावाहरी में एसडीओपी यदुमनी सिदार के नेतृत्व में निरी प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण, निरी सावन सारथी रक्षित केंद्र, निरी जयकुमार साहू थाना बिर्रा प्रभारी, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक सागर पाठक, उपनिरी के पी सिंह थाना प्रभारी बम्हनीडीह, साइबर टीम सउनि विवेक सिंह, प्र.आर. मनोज तिग्गा, विवेक सिंह, आर. प्रदीप दुबे, गिरीश कश्यप, माखन साहू, रोहीत कहरा, श्रीकांत सिंह एवं थाना स्टाफ बिर्रा का विशेष भूमिका रही।

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक दो दिवसीय कार्यक्रम का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति में 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक दो दिवसीय स्मृति समारोह का आयोजन सीमार्ट परिसर (कचहरी चौक) जांजगीर में किया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, विधायक अकलतरा श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सत्यलता आनंद मिरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, नगर पालिका परिषद चांपा श्री प्रदीप नामदेव होंगे।

कार्यक्रम विवरण - बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह का शुभारंभ 18 सितम्बर को सीमार्ट परिसर जांजगीर में होगा। सीमार्ट परिसर जांजगीर 18 सितम्बर को दोपहर 12 बजे प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि, श्रद्धांजलि कार्यक्रम, दोपहर 01 बजे स्वतंत्रता संग्राम सेननी एवं शहीद परिवारों का सम्मान, दोपहर 01.30 मंचीय कार्यक्रम एवं प्रतिभा कार्यक्रम, दोपहर 2 बजे स्थानीय कलाकारों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, सायं 05 बजे विधिक संगोष्ठी एवं सायं 6 बजे छत्तीसगढ़ी लोक कलाकरो की सांस्कृति प्रस्तुतियां का आयोजन किया जाएगा।

गांजा की पुटकी कर बिक्री के आरोपी को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / गांजा की पुटकी बना कर बिक्री के आरोपी को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा है । विजय कुमार पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थ गांजा, शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश के पालन में दिनांक 16 सितंबर 25 को जरिए मुखबिर सूचना मिला । उक्त सूचना पर पुटपुरा हाईवे चौक के पास एक व्यक्ति अवैध तरीके से मादक पदार्थ गांजा को बिक्री करने के फिराक में घूम रहा है की सूचना पर मौके पर घेराबंदी किया गया जो आरोपी धनेश राठौर निवासी पुटपुरा को पुलिस हिरासत में लिया गया जिसके कब्जे से 80 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 500 रूपए को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध घटित करना पाए जाने से अपराध क्रमांक 860/ 25 कायम कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक मणिकांत पांडे, उपनिरीक्षक दास बनर्जी एवं थाना स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

जांजगीर-चांपा

आगामी नवरात्रि पर्व को लेकर नैला-जांजगीर स्थित अग्रसेन भवन के पास आयोजित होने वाले श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव की तैयारियों का आज कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री महोबे ने आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में भारी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे, ऐसे में सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं ताकि उत्सव सफल एवं सुरक्षित रूप से सम्पन्न हो। पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि पंडाल क्षेत्र में पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था के लिए बेरिकेटिंग, पार्किंग स्थल और विशेष गश्ती दल की व्यवस्था रहेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने दुर्गा पूजा समिति से जिला प्रशासन के साथ सतत समन्वय बनाए रखने की अपील की, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता एवं राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, एडिशनल एसपी श्री उमेश कश्यप, श्री राजेश पालीवाल, श्री संदीप शर्मा, श्री गोपाल दुबे, श्री मनोज अग्रावाल सहित समिति पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कराटे मार्शल आर्ट नहीं एक जींवन दर्शन है : वरुण पाण्डेय का प्रेरणादायक सफर

जांजगीर चांपा / जांजगीर चांपा / जींवन एक युद्ध है पर वह उसे कला या खेल की तरह लड़ा जाना चाहिए÷ यह वाक्य जींवन के प्रति दृष्टिकोण को दर्शाता है जो महान दार्शनिक नित्थे के विचारों से जुड़ा है । कुछ लोग इस सोच को केवल पढ़ते हैं, कुछ इसे जीते हैं । छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा जिले के गांव सलखन में जन्मे और पढ़े बढ़े वरुण पाण्डेय उन गिने चुने व्यक्तियों में हैं, जिन्होंने इस विचार को अपने जीवन मे आत्मसात किया है । वे कराटे मार्शल आर्ट्स को केवल एक खेल ही नहीं बल्कि एक जींवन दर्शन मानते हैं, एक ऐसा माध्यम जो व्यक्ति को मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाता। वरुण पाण्डेय का जींवन किसी प्रेरणा उपन्यास से कम नहीं है । एक साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने देश और विदेशों के लगभग सैकड़ों महानगरों में कराटे मार्शल आर्ट्स की विभिन्न विधाओं का अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्राप्त किए और आज न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश उन चुनिंदा खिलाड़ियों और प्रशिक्षको में गिने जाते हैं, उन्हें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर का दर्जा प्राप्त है। उनकी उपलब्धियाँ केवल पदकों तक सीमित नहीं है बल्कि वे मार्शल आर्ट्स के विभिन्न विधाओं में महागुरु जैसे प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित हो चुके हैं और वर्तमान में युनाइटेड शोतोकान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं । वरुण पाण्डेय कराटे मार्शल आर्ट्स को महज मुकाबले का खेल नहीं मानते, उनके शब्दों में कराटे मार्शल आर्ट्स÷ मैडल या ट्रॉफी नहीं है बल्कि यह मौलिक जींवन और अनुशासन है, बेल्ट, डॉन या क्यू रैंक अर्जित करना अहंकार का प्रदर्शन करना नहीं है, बल्कि विनम्रता, सम्मान और कठिन तपस्याओं का प्रतिफल हैं, और ज्ञान से विनम्रता जागृत होती है ।

यह ज्ञान या अभ्यास, तपस्या है न कि व्यापार या ब्रांड,कराटे मार्शल आर्ट्स एक भावना है, जुनून है, और सबसे बढ़कर यह जींवन दर्शन है । यह केवल शारिरिक शक्ति का प्रतीक या प्रदर्शन नहीं है बल्कि व्यक्ति के भीतर छिपे डर, अहंकार, और द्वेष को पराजित करने की प्रक्रिया है और आत्मबल और अदृश्य आत्मशक्ति को जागृत करने की प्रक्रिया है, उनके प्रशिक्षण केन्द्रों में युवा, युवतियों और विशेष रूप से छोटे बच्चों और महिलाओं को निःशुल्क आत्मरक्षा के तकनीकी प्रशिक्षण के साथ जीवन जीने की कला सिखाया जाता है ,जिसमें साहस, अनुशासन, सम्मान और आत्मनिर्भरता को केंद्रीय किया जाता है, राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर कई बार प्रदेश व देश का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने गोल्ड मैडल हासिल किए हैं लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने इस राज्य में कराटे मार्शल आर्ट्स को एक नई पहचान दी है, उन्होंने इसे प्रतियोगिता का विषय नहीं रहने दिया, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में इसे आगे बढ़ाया ऐसा आंदोलन जो बच्चों और युवाओं के व्यक्तित्व विकास, आत्मबल और चरित्र निर्माण का आधार बन रहा है । वरुण पाण्डेय का मानना है असली खिलाड़ी वह नहीं जो सबसे तेज मार करे, बल्कि वह होता है जो कला को गहराई से महसूस कर सके, उनके लिए कराटे मार्शल आर्ट्स सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि वह सेतु है जो व्यक्ति को अपने भीतर झांकने, खुद से जूझने और अंततः खुद को नए रूप में गढ़ने की प्रेरणा देता है । यही कारण है कि आज वरुण पाण्डेय को न केवल एक प्रशिक्षक बल्कि एक मार्गदर्शक और प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में पहचाना जाता है । वरुण पाण्डेय का यह सफर न केवल खेल प्रेमियों के लिए बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणास्त्रोत है जो अपने ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखता है, जिले और छत्तीसगढ़ को आज गर्म है कि उसके पास वरुण पाण्डेय जैसा खिलाड़ी, प्रशिक्षक और विचारक है जो केवल कराटे, तलवारबाजी, मार्शल आर्ट्स सीखा रहे हैं, बल्कि एक बेहतर समाज, बेहतर पीढ़ी और बच्चों और युवाओं में बेहतर व्यक्तित्व की नींव रख रहे हैं, दो लाख से अधिक बालिकाओं, महिलाओं, स्कूली छात्रों, नगर सैनिक, पुलिस जवानों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को इस विधा से रूबरू कराने में उनका योगदान सतत बना हुआ है ।

स्वच्छता ही सेवा हेतु दिलाई गई शपथ - अवसर पर कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी को स्वच्छता के प्रति सजग रहने, समय देने तथा श्रमदान कर स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ करने स्वच्छता ही सेवा हेतु शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई एक अच्छी आदत है, स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवन शैली के लिये हर एक को यह आदत बनानी चाहिये।

कलेक्टर महोबे ने जिले में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वच्छता अभियान का किया शुभारंभ

जिलेभर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा की हुई शुरुआत, जगह-जगह श्रमदान और रैली का किया गया आयोजन

ग्राम पंचायतों, विद्यालयों और महाविद्यालयों सहित विभिन्न स्थलों में स्वच्छता अभियान चलाकर लिया स्वच्छता शपथ

जनप्रतिनिधि गण, अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, स्वच्छता मित्र तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक अभियान में हुए शामिल

जांजगीर-चांपा

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने और लोगों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जिले में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक का शुभारंभ आज कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने किया। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्वयं झाड़ू लगाकर लोगों को प्रेरित किया।

आज सुबह पूर्व सांसद श्री कमला देवी पाटले, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव श्री अंबेश जांगड़े, पूर्व विधायक श्री चुन्नीलाल साहू, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर जांजगीर पहुंचकर हाथों में झाड़ू लेकर अस्पताल परिसर की सफाई की और खरपतवार को भी हटाया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियो एवं कलेक्टर ने सभी जिलेवासियों से आग्रह किया कि इस स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। इस अवसर पर सभी को स्वच्छता ही सेवा की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर श्री अमर सुलतानिया, इंजी. रवि पांडेय, श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, श्री आशुतोष गोस्वामी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे आज कुदरी बैराज स्थित गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने गार्डन परिसर, बोटिंग जोन के आस पास झाड़ू एवं फावड़ा चलाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर कलेक्टर ने उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों को स्वच्छता शपथ दिलाई और उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल कार्यक्रम भर नहीं है बल्कि यह सभी की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। यदि हर नागरिक अपने घर, मोहल्ले और आसपास को साफरखे तो पूरा जिला आदर्श बन सकता है। इसके साथ ही जिले के विभिन्न ग्र्राम पंचायतो में स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत चंडीपारा, ग्राम सेमरा, बिर्रा सहित विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता शपथ कार्यक्रम, स्वच्छता रैली, श्रमदान सहित अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बलौदा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शारदा सनत देवांगन, जनपद पंचायत सदस्य श्री चूड़ामणि राठौर, जनपद सदस्य श्रीमती रति रमेश सोनझरी, सरपंच कुदरी श्रीमती बबली आर के यादव, विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण और बाल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही राज्य सरकारः मंत्री लखनलाल

रजत महोत्सव अंतर्गत कोरबा में महतारी सम्मेलन का हुआ आयोजन

कोरबा लोकशक्ति।

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन के निर्देशानुसार रजत महोत्सव अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इंदिरा स्टेडियम, टी.पी नगर, कोरबा में महतारी सम्मेलन कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं आबकारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं की उन्नति के लिए चलाई जा रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बाल विवाह निषेध हेतु उपस्थितजनों को शपथ भी दिलाई।

अपने उद्बोधन में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण और बाल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि शासन का संकल्प है कि बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो तथा महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर समाज की रीढ़ बनें। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचना चाहिए। आज महिलाएँ और बेटियाँ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रही हैं।

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने भी संबोधित करते हुए कहा कि शासन की अनेक योजनाएँ महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही हैं। आज महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और आत्मनिर्भरता के साथ समाज की दिशा तय कर रही हैं।सम्मेलन के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाली माताओं एवं बहनों को सम्मानित किया गया। साथ ही जिले के मेधावी बच्चों को भी पुरस्कृत भी किया गया।इस दौरान महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

वोट चोर, गद्दी छोड़ः सचिन पायलट के नेतृत्व में आज कोरबा में मशाल यात्रा

कोरबा 1लोकतंत्र की रक्षा और कथित वोट चोरी के खिलाफकांग्रेस ने प्रदेश भर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान छेड़ रखा है। इसी कड़ी में 16 सितम्बर को कोरबा में मशाल यात्रा, हस्ताक्षर अभियान और आमसभा का आयोजन किया जाएगा।

बताया गया है कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे निहारिका टाकीज के पास नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और कैंडल जलाने से होगी। इसके बाद विशाल मशाल यात्रा सुभाष चैक से निकलते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर, मिनीमाता और स्व. बिसाहूदास महंत की प्रतिमाओं पर भी पुष्पांजलि अर्पित करेगी। यात्रा स्व. बी.डी. महंत स्मृति उद्यान तक पहुंचेगी, जहां आमसभा का आयोजन होगा। यात्रा के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाते हुए हस्ताक्षर अभियान भी चलाएंगे।

कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू प्रदेश सह प्रभारी जरिता लैतफ्लांग, विजय जांगिड़, सांसद ज्योत्सना महंत, कांग्रेस विधायक, पूर्व विधायक और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

कार्यक्रम की सफ्लता के लिए पीसीसी रायपुर ने जिला स्तरीय संचालन समिति गठित की है। इसमें सांसद ज्योत्सना महंत को संरक्षक बनाया गया है। समिति में 22 कार्यकारी सदस्य और सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, शहर कांग्रेस कमेटी ने आयोजन स्थल और मशाल यात्रा मार्ग के लिए पेयजल व अन्य व्यवस्थाओं हेतु 6 संचालन समितियां गठित की हैं। प्रत्येक समिति में 21 प्रभारी सदस्य होंगे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिषन की बैठक 18 को

कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में जल जीवन एवं स्वच्छता मिषन की बैठक 18 सितंबर को शाम 05 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष कोरबा में आहूत की गई है। सर्व संबंधितों को बैठक में उपस्थित होने कहा गया है।

भू-विस्थापित माटीपुत्रों में बढ़ता असंतोष, दीपका परियोजना के विस्तार पर ग्रामीणों का उग्र विरोध

कोरबा दीपका कोयला परियोजना के विस्तार को लेकर कोरबा जिले के पाली अनुविभाग अंतर्गत ग्राम हरदीबाजार में भू-विस्थापित माटीपुत्रों का असंतोष अब तीव्र रूप लेता जा रहा है। कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में संचालित इस परियोजना के तहत वर्ष 2004 एवं 2010 में हरदीबाजार के पटवारी हल्का नंबर-15 में ग्रामीणों की निजी भूमि का अधिग्रहण किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिग्रहण के दो दशक बाद भी उन्हें न तो तयशुदा मुआवजा मिला, न ही पुनर्वास की कोई ठोस व्यवस्था की गई। साथ ही, वायदे के अनुसार रोजगार भी मुहैया नहीं कराया गया। स्थानीय माटीपुत्रों का कहना है कि वर्षों से वे अपनी भूमि खोकर अन्याय सहते आ रहे हैं।

परसराम का बना पक्का मकान,अब बारिश में नहीं होना पड़ता परेशान

पीएम आवास योजना ने कई मुसीबतों से दिया छुटकारा

कोरबा गांव में सब्जी बेचकर किसी तरह जीवनयापन करने वाले परसराम पटेल की जिंदगी बहुत मुसीबत से घिरी हुई थी। 75 साल के परसराम पटेल ने कई बार सोचा कि वह कच्चे मकान को तोड़कर पक्का मकान बनवा ले लेकिन गरीबी की वजह से वह पक्का मकान तो दूर की बात अपने कच्चे मकान को भी ठीक से मरम्मत नहीं कर पाता था। कच्चे मकान में जिंदगी की लंबी उम्र गुजार चुके परसराम सहित उनके घर वाले बारिश के दिनों में अक्सर परेशान रहते थे क्योंकि बारिश होते ही खपरैल वाले छत से पानी की बूंदे इतनी ज्यादा गिरती थी कि घर का जरूरी सामान बारिश में भीग जाता था और बहुत से सामान खराब हो जाते थे। यह एक मात्र समस्या नहीं थी, घर की दीवारें भी बारिश के पानी से उखड़ जाती थी। उन्हें अपना जरूरी काम छोड़कर उखड़ी हुई दीवारों को मरम्मत करना पड़ता था और घर के खपरैल को ठीक करना पड़ता था। परसराम को जब मालूम हुआ कि प्रधानमंत्री आवास

योजना से गरीबों का पक्का मकान बन रहा है तो उन्होंने भी संपर्क साधा। पीएम आवास योजना में अपना नाम चयन हो जाने की खबर पाकर परसराम पटेल खुश तो था लेकिन जब तक उनके खाते में राशि नहीं आई थी तब तक बैचेन भी था और सोचता था,पता नहीं राशि देंगे भी की नहीं। उन्हें जब पीएम आवास योजना के लिए राशि मिली तो उनके खुशियों का ठिकाना न रहा। पहली किश्त आते ही उनका भरोसा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पर बढ़ गया। उन्होंने सरकार पर अपना विश्वास बढ़ाते हुए कुछ और पैसे लगाकर पीएम आवास को बड़ा बनाने की ठानी। आखिरकार समय के साथ उन्हें पूरी किश्त मिली और पक्का मकान बनकर तैयार हो गया है। अब इन पक्के और मजबूत मकानों में वह सुकून से अपनी पत्नी इतवारा बाई और अपने बच्चे नाती-पोती के साथ रह रहे हैं। उधर पीएम आवास योजना से पक्का मकान पाकर बहुत खुश परसराम और उनकी पत्नी श्रीमती इतवारा बाई शासन प्रशासन को धन्यवाद देते नहीं थकती।

करतला विकासखंड के अंतर्गत दूरस्थ ग्राम जामपानी में निवास करने वाले परसराम पटेल ने बताया कि पीएम आवास योजना से उन्होंने गांव में पक्का मकान बनवाया है। उन्होंने बताया कि वह बहुत गरीब है और आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि वह अपना खुद का पक्का मकान बनवा सके। उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना में नाम आने के बाद पहली किस्त मिली तो उन्होंने घर बनाने का काम शुरू किया। हितग्राही ने बताया कि वह जिस कच्चे मकान में रहता था वह बहुत ही जर्जर था। बारिश के आने से पहले वह हर साल इसकी मरम्मत कराता था। मरम्मत की वजह से उन्हें अपने अन्य जरूरी काम छोड़कर इसमें समय देना पड़ता था। कई दशक बीत जाने के बाद भी उनकी आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं हुई कि वह कच्चा मकान को पक्का मकान में तब्दील कर सके। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। बारिश की वजह से खपरैल से पानी टपकता था।

कुसमुंडा खदान में तय समय से पहले हुई हैवी ब्लास्टिंग, ग्रामीणों में आक्रोश

कोरबा,लोकशक्ति। कोरबा जिले की कुसमुंडा खदान में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा सुबह 8ः15 बजे भारी ब्लास्टिंग की गई, जिससे आसपास के गांवों जटराज, सोनपुरी, पाली पडनिया सहित अन्य बस्तियों में दहशत का माहौल बन गया। अचानक हुई ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी जताई और कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान में ब्लास्टिंग का निर्धारित समय दोपहर 2 बजे का है, लेकिन उससे पहले ही विस्फ ोट कर दिया गया। नियमानुसार, ब्लास्टिंग के दौरान लगभग 3 किलोमीटर के दायरे में लोगों को हटाया जाना चाहिए, लेकिन सुरक्षा के इस नियम का पालन नहीं किया गया। घटना के विरोध में जटराज गांव के प्रभावित लोग कलेक्टरेट पहुंचे और वहां शिकायत दर्ज कराई।

हाईकोर्ट से दो अधिकारियों की जमानत याचिका खारिज

मुख्य आरोपी की सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका नामंजूर

बिलासपुर, । छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रीएजेंट घोटाले में संलिप्त सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर वसंत कौशिक की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले, इस घोटाले के मुख्य आरोपी और मोक्षित कॉरपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा की जमानत याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को खारिज कर दिया था।

यह मामला लगभग 400 करोड़ रुपये के रीएजेंट घोटाले से जुड़ा है, जिसकी जांच ईडी, एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा की जा रही है। घोटाले में अब तक शशांक चोपड़ा समेत 6 आरोपी जेल में हैं। कुछ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है, जबकि अन्य के खिलाफ जांच अभी भी जारी है। हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि ईओडब्ल्यू की रिपोर्ट के अनुसार, जो ट्यूब बाजार में 1.5 से 8.5 रुपए तक मिलती थी, उसे 352 रुपए प्रति ट्यूब की दर से खरीदा गया। एफ्आईआर में यह विवरण है, लेकिन बाद की जांच में बताया गया कि ट्यूब 2352 रुपए में खरीदी गई थी। दोनों आंकड़ों में विरोधाभास है, जिससे यह घोटाला और बड़ा प्रतीत होता है। याचिका में यह भी कहा गया कि डॉ. अनिल परसाई को विभाग द्वारा केवल आहरण और संवितरण (डिस्ट्रिब्यूशन) की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, ना कि खरीदी या भुगतान की। उनके पास बजट स्वीकृति या खर्च करने का कोई अधिकार नहीं था। इसके बावजूद उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है, जबकि वास्तविक खरीदी की प्रक्रिया उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा की गई थी, जिन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने यह भी अपील की थी कि शशांक चोपड़ा की सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लंबित है, इसलिए जब तक उस पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक इस याचिका पर सुनवाई टाल दी जाए।

साप्ताहिक जनदर्शन में उमड़ी भीड़, कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति के नियंत्रण के लिए अधिकारी कर्मचारियों को सतर्क रहने के दिए निर्देश

0 बांध व नदी के समीपस्थ इलाकों में मुनादी कराने हेतु किया निर्देशित

0 बाढ़ क्षेत्र से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा संवाददाता।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में हो रही भारी बारिश को ध्यान में रखते हुए बाढ़ की स्थिति के नियंत्रण हेतु सभी एसडीएम को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। साथ ही स्वास्थ्य, विद्युत एवं अन्य लाइन डिपार्टमेंटल अधिकारी कर्मचारियों को सक्रियता से कार्य करने निर्देशित किया है। उन्होंने बांध एवं नदी के समीपस्थ इलाकों से चल अचल परिसम्पत्तियों को हटाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो में मुनादी कराने के भी निर्देश दिए है।

कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांगों बांध संभाग क्र. 3 माचाडोली ने सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों से बांध से नीचे एवं हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का आग्रह किया है। साथ ही बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्प्त्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर निकालना सुनिश्चित कर लें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध एवं हसदेव बराज जल प्रबंध संभाग को बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने की अपील की गई है। बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, चर्रा, पोड़ी-उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कल्मीपारा, सिलयारीपारा, जुनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमाड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेल गांव, झाबू, नवांगांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल हैं।

ग्रामीणों की सात सूत्रीय मांगें बनी दीवार, हरदी बाजार की जमीन पर कब्जे की कोशिश

कोरबा संवाददाता

एसईसीएल दीपका प्रबंधन द्वारा हरदी बाजार की जमीन पर खदान विस्तार के लिए कब्जा करने की सोमवार को की गई कोशिश ग्रामीणों के कड़े विरोध के चलते नाकाम हो गई। पुलिस बल की मौजूदगी में जैसे ही एसईसीएल की टीम सर्वे शुरू करने पहुंची, ग्रामीण एकजुट होकर विरोध में खड़े हो गए और प्रबंधन को वापस लौटना पड़ा।

सात सूत्रीय मांगों पर अड़े ग्रामीण

– ग्रामीणों ने साफकर दिया है कि जब तक उनकी सात सूत्रीय मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक गांव की एक इंच जमीन भी दीपका प्रबंधन को नहीं दी जाएगी। उनकी प्रमुख मांगों में पुनर्वास स्थल पर नाली, पानी, बिजली, सड़क, हाट-बाजार, खेल मैदान और सरकारी कार्यालय की व्यवस्था, प्रत्येक प्रभावित परिवार को नौकरी, सभी जमीन मालिकों को 100 प्रतिशत मुआवजा, मकान और परिसंपत्तियों के साथ-साथ पट्टे का प्रावधान, मकान तोड़ने से पहले एकमुश्त मुआवजा, पेसा एक्ट के तहत ग्रामसभा की सहमति और मकान तोड़े जाने वाले परिवारों को उसी दिन मुआवजा राशि देने सहित स्थानीय बेरोजगारों को नौकरी शामिल है।

नेताओं ने जताया समर्थन विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, भाजपा जिला मंत्री अजय दुबे, नरेश टंडन, विजय जायसवाल और सरपंच लोकेश्वर कंवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि पाली एसडीएम की मौजूदगी में हुए समझौते पर भी अमल नहीं किया गया है, ऐसे में खदान प्रबंधन की मनमानी और दादागिरी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नेशनल लोक अदालत में लगभग 2 लाख 98 हजार 894 मामले निपटाए

कोरबा संवाददाता। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान, छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष संतोष शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के निर्देशन में नेशनल लोक अदालत का 13 सितंबर 2025 को वर्चुअल और भौतिक उपस्थिति मोड में आयोजन किया गया।इसमें सर्वोच्च न्यायालय से लेकर तहसील स्तर तक के न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की गयी। जिला न्यायालय कोरबा एवं तालुका विधिक सेवा समितियों- कटघोरा, करतला एवं पाली में लंबित, दांडिक, सिविल, मोटर दुर्घटना, राजस्व न्यायालयो के प्रकरण एवं प्री-लिटिगेशन के 04 लाख 68 हजार 193 प्रकरणों को निराकरण के लिये चिन्हित किया गया है। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संतोष शर्मा, के नेतृत्व में लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत आयोजित

करने के लिए कुल 48 खंडपीठों का गठन किया गया था। इस लोक अदालत में 02 लाख 98 हजार 894 मामलों का सफ्लतापूर्वक निपटान किया गया।निपटान किए गए मामलों में कुल 02 लाख 93 हजार 608 मामले प्री-लिटिगेशन चरण के थे और 05 हजार 286 मामले ऐसे थे जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित थे, निपटान राशि लगभग 13 करोड़ 49 लाख 55 हजार 167 रूपये थी।

नेशनल लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले अर्थात् चेक से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद के मामले, श्रम विवाद के मामले, बैंक ऋण वसूली वाद, रूपया वसूली वाद, विद्युत बिल एवं टेलीफोन बिल के मामले, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, राजस्व न्यायालय के मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य वाद आदि से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। नेशनल लोक अदालत के अवसर पर विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल लगाकरहितग्राहियों को सामग्री वितरीत की गई

दिनांक 13.09.2025 को आयोजित राष्ट्रीय नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर कोरबा में समाज कल्याण विभाग, महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ विभाग के कैम्प लगाए गए। समाज कल्याण विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहियों योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को ट्रायसायकल, वृद्धों को श्रवण यंत्र एवं स्टीक का वितरण श्री संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोरबा, श्री संतोष कुमार, आदित्य, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश, श्री जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश, श्रीमती गरिमा शर्मा, द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश, कोरबा, श्री सुनील कुमार नन्दे, तृतीय अपर जिला न्यायाधीश, सुश्री सीमा प्रताप चन्द्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटी.सी.),कोरबा, कु0 मयूरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा, श्री सत्यानंद प्रसाद, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. डॉली ध्रुव, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, श्रीमती सोनी तिवारी प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. कुमुदिनी गर्ग, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु0 डिम्पल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा, श्री लव कुमार लहरे, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा,एवंश्री गणेश कुलदीप, अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ कोरबा, श्री रोहित कुमार, राजवाड़े, चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल, कोरबा द्वारा किया गया।

युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलेगी 50 लाख की अनुग्रह राशि

0 मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में हुआ निर्णय

0 परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को मिलेगी 1 करोड़ की अनुग्रह राशि

0 हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए न्यौछावर करते हैं अपना जीवन - मुख्यमंत्री साय

रायपुर संवाददाता। युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों की पत्नी अथवा उनके आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि करते हुए इसे 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में विभिन्न वीरता अलंकरण प्राप्त जवानों को दी जाने वाली राशि में भी वृद्धि की गई है। अब परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को 40 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में लिया गया।

आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण विभाग की 6वीं राज्य सैनिक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते हैं। हम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हैं। सरकार भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। बैठक में शहीदों की वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए राज्य द्वारा संचालित कई कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समिति की छठवीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा में हमारे वीर जवान दिन-रात तत्पर रहते हैं। भारत माँ की सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वाले इन वीर सपूतों का कल्याण करना सबका दायित्व और कर्तव्य है। आज की बैठक में भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके परिजनों के हित में सार्थक चर्चा हुई है। बैठक में लिए गए निर्णयों का लाभ भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों तक सीधे पहुंचेगा। भूतपूर्व सैनिकों की बेहतरी के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी सदस्यों द्वारा दिए गए हैं, जिन पर सकारात्मक रूप से विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा।

बैठक के दौरान भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के हित में कई महत्वपूर्ण एजेंडा बिंदुओं पर निर्णय लिये गए। इनमें युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद (बैटल कैजुअल्टी) सैनिकों की पत्नी अथवा आश्रितों को अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करना, विभिन्न शौर्य अलंकरण प्राप्त सैनिकों को दी जाने वाली राशि में वृद्धि करना शामिल है। अब परमवीर चक्र प्राप्तकर्ता सैनिक को

प्रेमिका ने पुत्र के साथ मिलकर की थी युवक की हत्या

महासमुन्द,। महासमुंद जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर से मिले अज्ञात शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने मृतक की प्रेमिका तथा उसके पुत्र को गिरफ्तार किया है। बता दें कि जिले के ग्राम बेमचा की बड़ी नहर कुछ दिन पहले एक व्यक्ति की लाश मिली थी। कुछ ही दिनों की सघन जांच और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझा दी। मृतक की पहचान पिलेश्वर साहू (35 वर्ष), निवासी ग्राम पचेड़ा, थाना खल्लारी के रूप में हुई। सनसनीखेज खुलासे में सामने आया कि पिलेश्वर की हत्या उसकी प्रेमिका देवकी बघेल और उसके बेटे सुरेश बघेल ने मिलकर की थी। 8 सितंबर 2025 से पिलेश्वर अपनी ड्यूटी (रायपुर स्थित प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का काम) पर नहीं गया था। 10 सितंबर को बेमचा नहर में एक अज्ञात शव मिला, जिसके चेहरे पर गंभीर चोटें थीं और मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। मृतक के गले और गुप्तांग पर भी चोट के निशान थे। डॉक्टर की शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि यह हत्या का मामला है। सायबर सेल और थाना महासमुन्द पुलिस ने 3 विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की। इलाके में पूछताछ के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बेमचा की रहने वाली देवकी बघेल पर पूर्व में पति की हत्या का मामला दर्ज हो चुका है और वह जेल से छूटकर बाहर आई थी। पुलिस ने शक की बुनियाद पर जब गहराई से जांच की तो पता चला कि पिलेश्वर अक्सर देवकी के घर आता-जाता था और पिछले कई दिनों से वहीं रह रहा था। 9 सितंबर की रात पिलेश्वर देवकी के घर पहुंचा।

चाइल्ड पोर्नोग्राफ के मामले में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, राजधानी रायपुर की उरला थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से चाइल्ड पोर्नोग्राफ के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी पर आईटी एक्ट की धारा 67(ड्ढ) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फ ोन जब्त कर फोरेंसिक जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि पुलिस को तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जानकारी मिली थी कि आरोपी उरला थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई में आरोपी मोहम्मद शाहिद (22 वर्ष), पिता मोहम्मद साहिम हुसैन, निवासी शुक्रवारी बाजार, बिरगांव, थाना उरला सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नाबालिग बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का संग्रहण और प्रसार कर रहा था। प्राथमिक जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम जैसे ऑनलाइन समूहों में सामग्री साझा की थी। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया है, जिसमें संदेहास्पद सामग्री मिली है।

बारिश में तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करने को मजबूर ग्रामीण

कवर्धा, । पंडरिया ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरिया खुर्द में विकास के दावों की पोल खोलती एक मार्मिक घटना सामने आई है। गांव के मुक्तिधाम में शेड की सुविधा नहीं होने के चलते बारिश के बीच ग्रामीणों को तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करना पड़ा। गांव की एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार सोमवार शाम करीब 5 बजे किया गया। तेज बारिश के बावजूद ग्रामीणों ने तिरपाल लगाकर जैसे-तैसे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान लोग भीगते रहे, लेकिन कोई विकल्प नहीं था।

बस्तर व सरगुजा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों के लिए गुजरात भाजपा इकाई ने भेजी राहत सामग्री

रायपुर, ।

बस्तर व सरगुजा में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री पहुँचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर व सरगुजा संभाग में आई बाढ़ के लिए गुजरात की भाजपा प्रदेश इकाई ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। भाजपा की गुजरात प्रदेश इकाई द्वारा भेजी गई राहत सामग्री की पहली खेप सोमवार को रायपुर पहुँची जिसे बस्तर व सरगुजा सम्भाग के बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों के लिए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने रवाना किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश मंत्री जयंती पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पांडे, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र पाटनी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

बारिश में तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करने को मजबूर ग्रामीण

0 डोंगरिया खुर्द गांव से झकझोर देने वाली तस्वीर आई सामने

कवर्धा, पंडरिया ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरिया खुर्द में विकास के दावों की पोल खोलती एक मार्मिक घटना सामने आई है। गांव के मुक्तिधाम में शेड की सुविधा नहीं होने के चलते बारिश के बीच ग्रामीणों को तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करना पड़ा।

गांव की एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार सोमवार शाम करीब 5 बजे किया गया। तेज बारिश के बावजूद ग्रामीणों ने तिरपाल लगाकर जैसे-तैसे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान लोग भीगते रहे, लेकिन कोई विकल्प नहीं था।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि गांव के श्मशान घाट में बुनियादी सुविधाएं न होने के कारण उन्हें हर बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द मुक्तिधाम में शेड और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में छत्तीसगढ़ एनएसयूआई की मजबूत मौजूदगी, कांकेर टीम को मिला अहम जिम्मा

कांकेर, । दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में इस बार छत्तीसगढ़ एनएसयूआई की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। प्रदेश प्रभारी महावीर गुर्जर और प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ से सैकड़ों एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया है। कांकेर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सुमित राय के नेतृत्व में कांकेर से दर्जनों कार्यकर्ताओं की टीम दिल्ली पहुंची, जिन्हें शिवाजी महाविद्यालय और पी.जी. डी.ए.वी. महाविद्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सुमित राय ने बताया कि उनकी टीम ने दोनों कॉलेजों में जाकर एनएसयूआई के सभी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया और छात्रों से मतदान कर एनएसयूआई पैनल को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी जसलीन नंदिता चौधरी (बैलेट नंबर 5), उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी राहुल झांसला (बैलेट नंबर 2), सचिव पद के प्रत्याशी कबीर (बैलेट नंबर 2), तथा सह-सचिव पद के प्रत्याशी लवकुश भड़ाना (बैलेट नंबर 5) के लिए समर्थन मांगा। पूर्व प्रदेश महासचिव रूहाब मेमन ने बताया कि कांकेर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से आए हस्ड्ढ कार्यकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और पैनल नंबर 5225 को भारी मतों से जीत दिलाने के लिए जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवाजी और पी.जी. डी.ए.वी. महाविद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की जिम्मेदारी मिलने से यह साफहै कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व को कांकेर जिले की टीम पर पूर्ण विश्वास है।

मनेंद्रगढ़, जशपुर समेत छत्तीसगढ़ में 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

लगभग 14 करोड़ रूपए की लागत से तैयार होगा प्रत्येक फिजियोथेरेपी महाविद्यालय

6 नए फिजियोथेरेपी कॉलेज छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा को देंगे नई उड़ान - मुख्यमंत्री साय

रायपुर, । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार नए आयाम जुड़ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने चिकित्सा शिक्षा को और मजबूत करने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए 6 नए फि जियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों के निर्माण से इस से न केवल युवाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग जारी आदेश के अनुसार जिन जिलों में नए फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे उनमें मनेंद्रगढ़, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर शामिल हैं। इन महाविद्यालयों के निर्माण के लिए सरकार ने कुल 83 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक महाविद्यालय के लिए लगभग 13 करोड़ 93 लाख 71 हजार रुपए (करीब 14 करोड़) का बजट तय किया गया है। यह निवेश न केवल आधुनिक इमारतों और प्रयोगशालाओं के निर्माण पर खर्च होगा बल्कि छात्रों के लिए आवश्यक उपकरणों और अधोसंरचना पर भी किया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश की युवाशक्ति के लिए नई राह खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य और हमारे युवाओं का भविष्य, दोनों हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। आज जिन 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्वीकृति दी गई है, वे केवल संस्थान नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की नई इमारत की नींव हैं। इन महाविद्यालयों से प्रदेश के युवा डॉक्टर और विशेषज्ञ बनकर न केवल छत्तीसगढ़ की सेवा करेंगे बल्कि पूरे देश में राज्य की पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य शिक्षा नई ऊँचाइयों को छू रही है। 6 नए फिजियोथेरेपी महाविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य शिक्षा के अवसर मिलेंगे और फिजियोथेरेपी जैसी महत्वपूर्ण सेवा अब गांव-गांव तक पहुंच सकेगी। यह निर्णय प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ ही युवाओं के लिए नए रोजगार और अवसरों का द्वार खोलेगा। उल्लखेनीय है कि फिजियोथेरेपी वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है और इन नए महाविद्यालयों से प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे, जो आने वाले समय में समाज को बेहतर सेवाएं देंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत प्रदान करेगा। अब मरीजों को फिजियोथेरेपी उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि अपने ही जिले में सेवाएं मिल सकेंगी।

प्रदेश में पहले से मौजूद मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग कॉलेजों के साथ फिजियोथेरेपी कॉलेजों की यह नई श्रृंखला स्वास्थ्य शिक्षा की व्यापकता को और बढ़ाएगी। इससे छत्तीसगढ़ न केवल डॉक्टर और नर्स तैयार करेगा बल्कि विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट भी बड़ी संख्या में उपलब्ध कराएगा। इस निर्णय से रोजगार के नए अवसर भी सामने आएंगे। इन महाविद्यालयों के निर्माण से लेकर संचालन तक स्थानीय स्तर पर अनेक लोगों को रोजगार मिलेगा और स्नातक होने वाले विद्यार्थी स्वास्थ्य संस्थानों में अपनी सेवाएं देकर प्रदेश की जरूरतें पूरी करेंगे।

सीबीएसई छात्रों को राज्य स्तरीय खेलों से बाहर करने पर हाईकोर्ट सख्त, 4 हफ्ते में मांगा जवाब

रायपुर/बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया गया था। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान सीबीएसई और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। यह मामला तब चर्चा में आया जब सरकार ने आदेश जारी कर कहा कि सीबीएसई स्कूलों के छात्र ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते। इस निर्णय का असर पूरे राज्य में फैले करीब 600 सीबीएसई स्कूलों के 4 लाख से

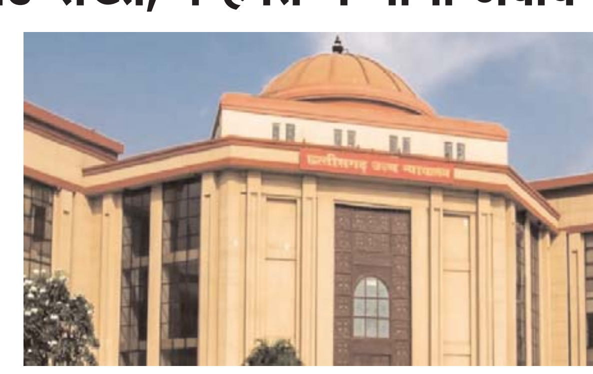

अधिक छात्रों पर पड़ा है। इस फैसले के खिलाफ एक छात्रा ने याचिका दाखिल की थी, जिसे हाईकोर्ट ने गंभीर मानते हुए स्वतः संज्ञान भी लिया। गौरतलब है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में भी इसी प्रकार का आदेश जारी किया गया था, जिसे निजी स्कूलों के विरोध के बाद सरकार ने वापस ले लिया था। लेकिन इस बार फिर वही स्थिति दोहराई गई है। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से दाखिल अधिसूचना में कहा गया कि सीबीएसई का अलग ढांचा है, इसलिए उसे राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में शामिल करना संभव नहीं है। वहीं, राज्य सरकार के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि जैसे राज्य बोर्ड के छात्र सीबीएसई की प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते, उसी तरह राज्य स्तरीय खेलों में भी केवल राज्य बोर्ड के छात्रों को ही भागीदारी मिलनी चाहिए।

आयुष्मान योजना गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए सहायक - स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया

इससे उन्हें उपचार के लिए अस्पताल का चुनाव करने मिलता है विकल्प

रायपुर, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आज सोमवार को न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाईन रायपुर में स्टेकहोल्डर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया की परिकल्पना एवं आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के मागदर्शन में यह वर्कशॉप आयोजित की गई।

योजनांतर्गत जनवरी 2025 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित बैठक में जानकारी दी गई थी कि छत्तीसगढ़ में देश में सबसे अधिक

फ्रॉम क्लेम पाए गए हैं, और ऐसे अस्पतालों की संख्या के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है। वर्कशॉप में अस्पतालों को जानकारी दी गई कि ट्रिगर क्लेम को कैसे कम किया जा सकता है। साथ ही उन्हे जानकारी दी गई कि भविष्य में भी क्लेम, ट्रिगर नहीं हों।

अमित कटारिया द्वारा यह बताया गया कि आयुष्मान योजना गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए बहुत सहायक है। इस योजना से उन्हें अपने उपचार के लिए अस्पताल का चुनाव करने का विकल्प मिला है। उन्होने बताया कि गलत क्लेम करने से एक दुविधा की शुरुआत हो जाती है। इससे योजना की छवि धूमिल होती है और जनता व अस्पताल का विश्वास डगमगाता है। इससे वास्तविक मरीज जिसे उपचार मिलना चाहिए, अक्सर वंचित रह जाता है। साथ ही अस्पतालों के सही भुगतान में देरी होती है और ईमानदारी से काम करने वाले संस्थान भी प्रभावित होते हैं। और अंततः इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और वंचित परिवार को उठाना पड़ता है, जिनके लिए यह योजना जीवनरेखा है। साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि योजना में अस्पतालों का सही पंजीयन किया जाये और समय-समय पर उनका निरीक्षण किया जाये। शासकीय अस्पतालों द्वारा भी योजना में क्लेम करने के दौरान पूर्ण दस्तावेज़ अपलोड करें जिससे अनावश्यक क्लेम निरस्त न हों। उन्होने आशा जाहिर की कि हमारा राज्य योजना के सकारात्मक मानकों में पूरे देश में प्रथम स्थान पर आए।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति को लेकर जिला पंचायत महासमुंद में समीक्षा बैठक

महासमुंद, संवाददाता।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत महासमुंद श्री हेमंत नंदनवार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत जिले को आबंटित सितंबर एवं अक्टूबर 2025 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सीईओ श्री नंदनवार ने निर्देश देते हुए कहा कि जिले को प्राप्त दोनों माह के लक्ष्य शत-प्रतिशत समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि जिन आवासों का कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें यथाशीघ्र आरंभ कराया जाए तथा सभी अपूर्ण आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित अवधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

सीईओ ने विकासखण्डवार प्रगति की समीक्षा करते हुए सहायक परियोजना अधिकारी, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मनरेगा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विकासखण्ड समन्वयक, तकनीकी सहायक, कार्यक्रम अधिकारी एवं सचिवों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सितम्बर एवं अक्टूबर लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। अप्रारंभ आवासों की सूची तैयार कर तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए।आवास निर्माण में लंबित प्रकरणों को चिन्हांकित कर निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई की जाए।कार्य की सतत निगरानी सुनिश्चित करने विकासखण्ड स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। गुणवत्ता मानकों का पालन एवं लाभार्थियों को समय-सीमा में आवास उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

बैठक के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य केवल मकान बनाना नहीं है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)